हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–274 : जौनपुर, गुरुवार 06 जुलाई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

मोदी कल और परसो करेंगे 4 राज्यों का दौरा, करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश और अगले दिन तेलंगाना और राजस्थान का दौरा करेंगे और लगभग 50000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन या शिलान्यास करेंगे। इसकी जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को दी। प्रधानमंत्री मोदी 7 जुलाई को सुबह करीब 1045 बजे रायपुर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 जुलाई को छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश और अगले दिन तेलंगाना और राजस्थान का दौरा करेंगे और लगभग 50,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन या शिलान्यास करेंगे। इसकी जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को दी।प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री कल सुबह करीब 10:45 बजे रायपुर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे।पीएम मोदी राष्ट्र लगभग 6,400 करोड़ रुपये की पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, जिसमें जबलपुर–जगदलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के 33 किलोमीटर लंबे रायपुर–कोडेबोड खंड को चार लेन

का बनाना, एनएच–130 के 53 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले बिलासपुर–पथरापाली खंड को चार लेन बनाना और छत्तीसगढ़ खंड के लिए तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं और छह लेन वाला ग्रीनफील्ड रायपुर–विशाखापत्तनम कॉरिडोर शामिल होगा।वह 750 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई 103 किलोमीटर लंबी रायपुर–खरियार रोड रेल लाइन के दोहरीकरण, केवटी–अंतागढ़ को जोड़ने वाली 17 किलोमीटर लंबी नई रेलवे लाइन और एक परियोजना को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। कोरबा में 60,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष की क्षमता वाला इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन का बॉटलिंग प्लांट 130 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है।इसमें आगे कहा गया कि मोदी 7 जुलाई को दोपहर करीब 2:30 बजे उत्तर प्रदेश के गोरखपुर पहुंचेंगे और गीता प्रेस के शताब्दी समारोह के समापन समारोह में भाग लेंगे। वह गोरखपुर से वंदे भारत ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाएंगे।गोरखपुर में मोदी गोरखपुर रेलवे स्टेशन पुनर्विकास परियोजना की आधारशिला रखेंगे। बयान में कहा गया है कि विश्व स्तरीय यात्री सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगभग 498 करोड़ रुपये की लागत से स्टेशन का पुनर्विकास किया जाएगा।इसमें कहा गया है कि वह 6,760 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन–सोन नगर रेलवे लाइन को समर्पित करेंगे।मोदी राष्ट्र को तीन रेलवे लाइनें भी समर्पित करेंगे जिनका विद्युतीकरण या दोहरीकरण 990 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पूरा किया गया है और एनएच –56 के वाराणसी–जौनपुर खंड का चार–लेन चौड़ीकरण रुपये से अधिक की लागत से पूरा किया गया है। इसमें वाराणसी और लखनऊ के बीच यात्रा को आसान बनाने के लिए 2,750 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।वाराणसी में जिन परियोजनाओं का उद्घाटन वह करेंगे उनमें 18 पीडब्ल्यूडी सड़कों का निर्माण और नवीनीकरण, बीएचयू परिसर में निर्मित अंतरराष्ट्रीय गर्ल्स हॉस्टल भवन, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी) – करसरा गांव में व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, सिंधौरा पुलिस स्टेशन में आवासीय भवन और सुविधाएं, पीएसी भुल्लनपुर, पिंडरा में फायर स्टेशन और तरसदा में सरकारी आवासीय विद्यालय और आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन भवन शामिल हैं। परसो सुबह करीब 10:45 बजे प्रधानमंत्री तेलंगाना के वारंगल पहुंचेंगे और एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होंगे जहां वह विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।इनमें 5,550 करोड़ रुपये से अधिक की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं और एनएच–563 के 68 किलोमीटर लंबे करीमनगर–वारंगल खंड को मौजूदा दो लेन से चार लेन में अपग्रेड करने का काम शामिल है।

एनएसए लगा दिया, बुलडोजर भी चला दिया, जरूरत पड़ी तो अपराधियों को 10 फुट जमीन के नीचे भी गाड़ देंगे, गलत मंशा वालों को मामाजी का साफ संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यालय ने ट्वीट कर लिखा कि– एनएसए लगा दिया गया है, बुलडोजर भी चला दिया गया है और अगर जरूरत पड़ी तो मामा जी अपराधियों को 10 फुट जमीन के नीचे भी गाड़ देंगे। मामाजी का संदेश साफ है, इसलिए गलत मंशा वालों मध्यप्रदेश में अपराध करने से पहले 10 बार सोच लेना।4 जुलाई को देश को झकझोर देने वाली एक परेशान करने वाली घटना में एक वीडियो सामने आया जिसमें भारत के मध्य प्रदेश में एक व्यक्ति एक आदिवासी व्यक्ति पर पेशाब कर रहा है। सीधी जिले में हुई इस घटना ने बड़े पैमाने पर राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है, खासकर उस व्यक्ति के सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कथित संबंध के कारण। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे आक्रोश फैल गया और न्याय की मांग की गई। फिर मध्य प्रदेश सरकार का एक्शन भी सामने आया। मध्य प्रदेश प्रशासन ने आरोपी व्यक्ति की संपत्ति के कुछ हिस्सों को ध्वस्त कर दिया। जिसके बाद पूरे मामले को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्विट करते हुए अपना साफ संदेश दिया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यालय ने

ट्वीट कर लिखा कि– एनएसए लगा दिया गया है, बुलडोजर भी चला दिया गया है और अगर जरूरत पड़ी तो मामा जी अपराधियों को 10 फुट जमीन के नीचे भी गाड़ देंगे। मामाजी का संदेश साफ है, इसलिए गलत मंशा वालों मध्यप्रदेश में अपराध करने से पहले 10 बार सोच लेना।वायरल वीडियो में प्रवेश शुक्ला बैठे हुए शख्स के चेहरे, बालों और गर्दन पर पेशाब करते हुए सिगरेट पीते हुए कैद हो गया। घटना जिले के कुबरी गांव में हुई और इस निंदनीय कृत्य का फुटेज 4 जुलाई, 2023 को ऑनलाइन सामने आया। पीड़ित की पहचान 36 वर्षीय आदिवासी व्यक्ति दसमत रावत के रूप में की गई है, जो करौंदी गांव का निवासी है। जिस व्यक्ति की पहचान परवेश शुक्ला के रूप में की गई है, वह एक भाजपा राजनेता और भाजपा विधायक केदारनाथ शुक्ला का करीबी सहयोगी है। हालाँकि, परस्पर विरोधी बयान सामने आए हैं, जिसमें विधायक ने प्रवेश से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यालय ने ट्वीट कर लिखा कि– एनएसए लगा दिया गया है, बुलडोजर भी चला दिया गया है और अगर जरूरत पड़ी तो मामा जी अपराधियों को 10 फुट जमीन के नीचे भी गाड़ देंगे।

बीजेपी से हाथ मिलाने पर बोले प्रफुल्ल पटेल, जब हम शिवसेना की विचारधारा को स्वीकार कर सकते हैं तो...

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि जब महाराष्ट्र में एमवीए सरकार गिरने वाली थी, तब सभी राकांपा विधायकों एवं मंत्रियों ने शरद

पवार से भाजपा के साथ जाने का अनुरोध किया था। सूत्रों ने कहा कि अजित पवार द्वारा मुंबई में बुलाई गई राकांपा की बैठक में पार्टी के 35 विधायक, पांच विधान पार्षद शामिल हुए।प्रफुल्ल पटेल ने बुधवार को अपने और अन्य राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेताओं के एकनाथ शिंदे–देवेंद्र फडणवीस सरकार में शामिल होने के फैसले का बचाव किया। एमईटी बांद्रा में बैठक के दौरान विधायकों को संबोधित करते हुए पटेल ने महा विकास अघाड़ी गठबंधन बनाने के लिए राकांपा से शिवसेना को समर्थन देने पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि "जब हम शिवसेना की विचारधारा को स्वीकार कर सकते हैं तो बीजेपी के साथ जाने में क्या आपत्ति है? हम एक स्वतंत्र इकाई के रूप में इस गठबंधन में शामिल हुए हैं। प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि महबूबा मुफ्ती और फारूक अब्दुल्ला जम्मू–कश्मीर में भाजपा के साथ चले गए और वे अब संयुक्त विपक्ष का हिस्सा हैं। हाल ही में पटना में हुई विपक्ष की बैठक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, श्मैं शरद पवार के साथ पटना में संयुक्त विपक्ष की बैठक में गया था और वहां का दृश्य देखकर मुझे हंसने का मन हुआ। वहां 17 विपक्षी दल थे, उनमें से 7 ने लोकसभा में केवल 1 सांसद है और एक पार्टी ऐसी है जिसके 0 सांसद हैं। उनका दावा है कि वे बदलाव लाएंगे। उन्होंने कहा कि हमने जो फैसला (एनडीए में शामिल होने का) लिया है वह देश और हमारी पार्टी के लिए है, व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं।प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि जब महाराष्ट्र में एमवीए सरकार गिरने वाली थी, तब सभी राकांपा विधायकों एवं मंत्रियों ने शरद पवार से भाजपा के साथ जाने का अनुरोध किया था। सूत्रों ने कहा कि अजित पवार द्वारा मुंबई में बुलाई गई राकांपा की बैठक में पार्टी के 35 विधायक, पांच विधान पार्षद शामिल हुए। अजित पवार ने इस बैठक में कहा कि राकांपा ने कांग्रेस से अधिक विधायक होने के बावजूद 2004 में मुख्यमंत्री पद हासिल करने का अवसर खो दिया। 83 वर्षीय शरद पवार पर चुटकी लेते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी में नेता 75 साल की उम्र में सेवानिवृत्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा 2014 में नरेन्द्र मोदी के करिश्मे की वजह से ही सत्ता में आयी।

प्रवेश शुक्ला के आवास पर चला मामा का बुलडोजर

नई दिल्ली। वायरल वीडियो पर एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट पर कहा था कि मेरे संज्ञान में सीधी जिले का एक वायरल वीडियो आया है। मैंने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि अपराधी को गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर एनएसए भी लगाया जाए। मध्य प्रदेश के सीधी में एक व्यक्ति का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह दूसरे व्यक्ति के ऊपर पेशाब करता दिखाई दे रहा है। पेशाब करने वाले व्यक्ति का नाम प्रवेश शुक्ला है जिसे वीडियो वायरल होने के बाद गिरफ्तार किया जा चुका है। आज उसके खिलाफ जबरदस्त कार्रवाई हो रही है। सीधी में प्रवेश शुक्ला के आवास पर बुलडोजर चलाया गया है। दावा किया जा रहा है कि प्रवेश शुक्ला भाजपा से जुड़ा हुआ था। उसे सीधी विधायक का प्रतिनिधि भी बताया गया। हालांकि, सीधी विधायक ने इससे साफ तौर पर इंकार किया है। इस मामले के बाद मध्य प्रदेश की राजनीति तेज हो गई है। वायरल वीडियो पर एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट पर कहा था कि मेरे संज्ञान में सीधी जिले का एक वायरल वीडियो आया है। मैंने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि अपराधी को गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर एनएसए भी लगाया जाए। मीडिया में उन्होंने कहा कि अपराधी केवल अपराधी होता है।

नितिन गडकरी का बड़ा ऐलान-भारत में पेट्रोल मूल को 15 रुपए प्रति लीटर तक पहुँचाने के लिए काम कर रही डवकप सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा, ''ज्ञान एक महान शक्ति है और ज्ञान को धन में परिवर्तित करना ही हमारा भविष्य है।'' उन्होंने कहा कि किसान आज न केवल अन्नदाता हैं बल्कि एथनॉल और सौर ऊर्जा का उत्पादन कर ऊर्जा प्रदाता भी हैं।केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि सरकार का इरादा वाहन उद्योग के कारोबार को दोगुना कर 15 लाख करोड़ रुपये करने का है। पिछले नौ साल की केंद्र सरकार की उपलब्धियों को बताने के लिए राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए गडकरी ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि गरीबी हटाने के नाम पर, कांग्रेस नेताओं ने अपनी गरीबी खत्म कर ली। उन्होंने कहा, ''वाहन उद्योग का कारोबार 7.55 लाख करोड़ रुपये है और इस क्षेत्र में साढ़े चार करोड़ लोगों को नौकरियां मिली हैं। यह उद्योग सरकार को सबसे ज्यादा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) देता है। हमने तय किया है कि हम इस उद्योग को 15 लाख करोड़ रुपये का बनाएंगे।'' उन्होंने कहा कि यह उद्योग दस करोड़ नौकरियां पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने वाहन विनिर्माण में जापान को पछाड़ दिया है और विश्वस्तर

पर चीन और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर आ गया है।उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा, ''ज्ञान एक महान शक्ति है और ज्ञान को धन में परिवर्तित करना ही हमारा भविष्य है।'' उन्होंने कहा कि किसान आज न केवल अन्नदाता हैं बल्कि एथनॉल और सौर ऊर्जा का उत्पादन कर ऊर्जा प्रदाता भी हैं। उन्होंने कहा कि ऑटो रिक्शा से लेकर कार तक गाड़ियां एथनॉल से चलेंगी और भारत का आयात कम होगा और किसान समृद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि पिछले नौ साल में नरेंद्र मोदी सरकार ने कई विकास के कदम उठाए हैं और देश को प्रगति दिलाई है। गडकरी ने कहा कि आने वाले समय में ऐसा भी दौर आयेगा जब पेट्रोल की कीमत 15 रुपए लीटर पहुँच जायेगी। गडकरी ने कहा कि जब सब गाड़ियां किसान द्वारा तैयार किए गए एथनॉल पर चलेंगी तो 7 फीसदी एथनॉल, 40 फीसदी बिजली खर्च होगी। उन्होंने कहा कि अगर इसका औसत पकड़ा जाए तो 15 रुपए लीटर पेट्रोल का भाव हो सकता है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि इससे जनता का भला होगा, किसान ऊर्जादाता बनेगा, देश का प्रदूषण और आयात भी कम होगा।जहां तक गडकरी की उपलब्धियों की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने एक दिन पहले ही बड़ी जानकारी देते हुए कहा था कि भारत–म्यांमा–थाईलैंड से होकर गुजरने वाली महत्वाकांक्षी राजमार्ग परियोजना का 70 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। हम आपको बता दें कि भारत, म्यांमा और थाईलैंड लगभग 1,400 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर काम कर रहे हैं, जिसके पूरा होने से दक्षिण पूर्व एशिया से जुड़े देशों के बीच व्यापार, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने परियोजना की प्रगति के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में बताया, श्परियोजना का लगभग 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।श यह राजमार्ग मणिपुर में मोरेह को म्यांमा के रास्ते थाईलैंड के माई सोत से जोड़ेगा। उन्होंने इस राजमार्ग के चालू होने की समयसीमा के संबंध में विवरण नहीं दिया। हम आपको बता दें कि इस रणनीतिक राजमार्ग परियोजना में देरी हुई है। सरकार का लक्ष्य पहले इसे दिसंबर 2019 तक चालू करने का था।

अजित गुट ने 40 से अधिक विधायकों का किया दावा, छगन भुजबल ने शरद पवार के सामने रखी बड़ी शर्त

एजेंसी

नई दिल्ली। अजित पवार गुट की बैठक में छगन भुजबल ने दावा किया कि 40 से अधिक विधायक और डरू हमारे साथ हैं। हमने शपथ लेने से पहले पूरी मेहनत की है। हमने शपथ ऐसे ही नहीं ली।महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक उठापटक के बीच एनसीपी को लेकर शरद पवार और अजीत पवार के बीच जंग जारी है। इन सबके बीच आज दोनों गुटों की ओर से शक्ति प्रदर्शन किया जा रहा है। अजित पवार गुट का दावा है कि उनके साथ 42 से ज्यादा विधायक हैं। कुछ विधायकों के नाम भी सामने आ गए हैं। वहीं, अजित पवार गुट की ओर से शरद पवार के समक्ष एक बड़ी शर्त रख दी गई है। इससे पहले 2 जुलाई को, अजीत पवार महाराष्ट्र में शिवसेना–भाजपा गठबंधन में शामिल हो गए और एक आश्चर्यजनक और नाटकीय राजनीतिक कदम में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जिसने अगले साल लोकसभा और

विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में राजनीतिक समीकरण बदल दिए।अजित पवार गुट की बैठक में छगन भुजबल ने दावा किया कि 40 से अधिक विधायक और डरू हमारे साथ हैं। हमने शपथ लेने से पहले पूरी मेहनत की है। हमने शपथ ऐसे ही नहीं ली। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम पर कानूनी मामलों के डर से यहां (अजित पवार के साथ) आने का आरोप लगाया जा रहा है। यह सही नहीं है। धनंजय मुंडे, दिलीप वाल्से पाटिल और रामराजे निंबालकर के खिलाफ कोई मामला नहीं है। हम यहां केवल इसलिए हैं क्योंकि आपके (शरद पवार) साहब के आसपास कुछ करीबी सहयोगी हैं, वे पार्टी को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एक बार जब आप उन्हें किनारे कर देंगे तो हम आपके पास वापस आने के लिए तैयार हैं। अजित पवार खेमे में छब्ब विधायकों की सूची सामने आ गई है। इसमें विधानसभा से 1) अजित पवार 2) छगन भुजबल 3) हसन मुश्रीफ 4) नरहरि झिरवाल 5) दिलीप मोहिते 6) अनिल पाटिल 7) माणिकराव कोकाटे 8) दिलीप वलसे पाटिल 9) अदिति तटकरे 10) राजेश पाटिल 11) धनंजय मुंडे 12) धर्मराव अत्राम 13) अन्ना बंसोड़ 14) नीलेश लंके 15) इंद्रनील नाइक 16) सुनील शेलके 17) दत्तात्रय भरणे 18) संजय बंसोड़ 19) संग्राम जगताप 20) बीइंग दिलीप 21) सुनील टिंगरे 22) सुनील शेलके 23) बालासाहेब अजाबे 24) दीपक चव्हाण 25) यशवंत माने 26) नितिन पवार 27) शेखर निकम 28) संजय शिंदे 29) राजू क्रोमारे शामिल है। वहीं, विधान परिषद से 1) अमोल मिटकारी 2) रामराजे निंबालकर 3) अनिकेत तटकरे 4) विक्रम काले शामिल हैं।

बीजेपी को क्यों पड़ी अजित पवार की जरूरत, 2024 को लेकर क्या है भगवा पार्टी का गेम प्लान

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। हालांकि, अपने दम पर वह सरकार नहीं बना सकती। उसके लिए किसी न किसी पार्टी का सहारा लेना जरूरी है। एकनाथ शिंदे उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना से बगावत करने के बाद भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए। एकनाथ शिंदे के पास 40 के आसपास विधायकों का समर्थन था।महाराष्ट्र में राजनीतिक उथल–पुथल का दौर जबरदस्त तरीके से जारी है। एनसीपी के शक्ति प्रदर्शन में पार्टी को लेकर अजित पवार गुट और शरद पवार गुट के अपने–अपने दावे हैं। जबसे अजित पवार भाजपा और शिवसेना गठबंधन वाली सरकार में शामिल हुए हैं, महाराष्ट्र की राजनीति को लेकर तरह–तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। सबसे बड़ा दावा तो यही किया जा रहा है कि भाजपा ने एकनाथ शिंदे पर लगाम लगाने के लिए यह बड़ा दांव खेला है। कहीं ना कहीं एनसीपी के अजित पवार गुट के सरकार में शामिल होने के बाद शिंदे खेमे में भी बेचैनी देखी जा रही है। महाराष्ट्र में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। हालांकि, अपने दम पर वह सरकार नहीं बना सकती। उसके लिए किसी न किसी पार्टी का सहारा लेना जरूरी है। एकनाथ शिंदे उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना से बगावत करने के बाद भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए। एकनाथ शिंदे के पास 40 के आसपास विधायकों का समर्थन था। भाजपा 105 विधायकों की पार्टी है। बावजूद इसके भाजपा ने एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया। शिंदे भाजपा सरकार के पास 166 विधायकों का समर्थन हासिल है। ऐसे में सवाल यह है कि आखिर अजित गुट के एनसीपी का समर्थन सरकार ने इतनी जल्दबाजी में क्यों लिया? बिना किसी भनक के अचानक अजित पवार और उनके साथी विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिला दी गई। उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत साफ तौर पर कह रहे हैं कि महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री बदलने वाला है। एकनाथ शिंदे की मुख्यमंत्री पद से विदाई होगी। भाजपा के देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बनेंगे। 2019 में जब महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव हो रहे थे तो उस वक्त भाजपा और शिवसेना गठबंधन में एक साथ चुनावी मैदान में थी। भाजपा की ओर से बार–बार और साफ तौर पर कहा गया कि देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बनेंगे। चुनावी नतीजों के बाद शिवसेना ने मुख्यमंत्री पद को लेकर आपत्ति जतानी शुरू कर दी। इसके बाद यह गठबंधन टूट गया। अचानक एक दिन देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने शपथ ले ली। फडणवीस मुख्यमंत्री बने और अजित पवार उपमुख्यमंत्री। हालांकि, 3 दिन बाद यह सरकार गिर गई। शरद पवार की एनसीपी भाजपा को समर्थन नहीं दिया। फडणवीस 2014 से 2019 तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रहे हैं। यही कारण है कि फडणवीस को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। हालांकि फडणवीस को लेकर की चर्चा जोरों पर है कि उन्हें दिल्ली में मंत्रालय दिया जा सकता है। लेकिन राजनीतिक विशेषज्ञ दावा करते हैं कि महाराष्ट्र की वर्तमान

राजनीतिक परिदृश्य में फडणवीस भाजपा के सधे हुए नेता साबित हुए हैं। ऐसे में उन्हें दिल्ली बुलाना नुकसानदेह हो सकता है।एक सवाल यह भी है कि आखिर भाजपा को अजित पवार की जरूरत क्यों? अजित पवार 5 बार महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम बन चुके हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में महज 9 से 10 महीने का वक्त बचा हुआ है। भाजपा किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहती है। भाजपा मिशन 400 पार की तैयारी में जुटी हुई है।

सम्पादकीय

बदले की राजनीति

लोकतंत्र में राजनेता चाहे वे कितने ऊंचे पद पर हों, सिद्धांततरू वे जनता के सेवक होते हैं। बहरहाल, इस सोच को अब सिर के बल खड़े कर दिया गया है और उसका खामियाजा कर्नाटक को भुगतना पड़ रहा है।कर्नाटक सरकार की इस बात के लिए तारीफ की जाएगी कि चावल खरीद में केंद्र की ओर से डाली रुकावट को उसने अपने चुनावी वादे को पूरा ना करने का बहाना नहीं बनाया। खुले बाजार से खरीदारी की उसकी पहल पर भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने 34 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से चावल देने का निर्णय लिया था। बाद में साफ तौर पर केंद्र के दबाव के कारण एफसीआई इसे वादे से मुकर गई। तो अब कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने गरीबी रेखा के नीचे की आबादी को पांच किलो चावल के बदले उतने चावल की कीमत के बराबर की रकम सीधे लाभार्थियों के खाते में ट्रांसफर करने का फैसला किया है। वैसे सीधा अनाज देने का अलग अर्थशास्त्र होता है। उससे जहां लाभार्थी तबकों को राहत मिलती है, वहीं उससे बाजार में अनाज की कीमत नियंत्रित होती है, जबकि किसानों के लिए उपज बढ़ाने की परिस्थितियां बनती हैं। ट्रांसपोर्ट आदि पर होने वाले खर्च से अर्थव्यवस्था में अधिक रकम पहुंचती है, जिसका अतिरिक्त मांग पैदा करने में योगदान होता है। जबकि सीधा दी गई रकम का संबंधित परिवार के मुखिया दुरुपयोग भी कर सकते हैं। फिर इसका बिना उत्पादकता बढ़ाए मुद्रास्फीति बढ़ाने में योगदान हो सकता है।

लेकिन आज की केंद्र सरकार के संचालक इतनी गहरी और दूरदृष्टि से सोचने की जरूरत महसूस नहीं करते। उनके लिए राजनीतिक लाभ और राजनीति बदला सर्वोपरि है। गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान ही कह दिया था कि अगर भाजपा हारी, तो कर्नाटक के लोग प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से वंचित हो जाएंगे। इस तरह उन्होंने राज्य व्यवस्था को एक व्यक्ति का समानार्थी बताने की खुलेआम कोशिश की थी। ऐसा सिर्फ तानाशाही व्यवस्थाओं में किया जाता है। लोकतंत्र में राजनेता चाहे वे कितने ऊंचे पद पर हों, सिद्धांततरू वे जनता के सेवक होते हैं। बहरहाल, इस सोच को अब सिर के बल खड़े कर दिया गया है और उसका खामियाजा कर्नाटक को भुगतना पड़ रहा है। लेकिन बात सिर्फ कर्नाटक की नहीं है। इसका संदेश दूरगामी महत्त्व का है। यह संदेश देश की संघीय व्यवस्था के लिए शुभ नहीं है।

घाटे का सौदा हैं अजित पवार!

अजीत द्विवेदी

भाजपा के नेता खुश हैं कि महाराष्ट्र में शरद पवार की एनसीपी टूट गई। खुशी जाहिर करने वाले कई तरह के तर्क दे रहे हैं, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक तर्क यह है कि विपक्षी गठबंधन बनाने के प्रयासों को इससे झटका लगेगा और महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें बढ़ेंगी। हो सकता है कि ऐसा सोचने का कोई आधार हो लेकिन राजनीति सिर्फ ऐसे हिसाब किताब से नहीं चलती है। राजनीति आज भी बुनियादी रूप से धारणा का खेल है और भाजपा इस खेल में माहिर है। तभी हैरानी हो रही है कि जिस अजित पवार के बारे में पिछले ढाई दशक से भाजपा यह धारणा बना रही थी कि वे भ्रष्टाचार का प्रतीक हैं उनको अपनी पार्टी के साथ जोड़ कर और सरकार में उप मुख्यमंत्री बना कर उसने क्या मैसेज दिया है? एनसीपी के टूटने और अजित पवार के एनडीए के साथ आने के राजनीतिक महत्व को रेखांकित कर रहे लोगों के अलावा भाजपा समर्थकों का एक बड़ा वर्ग है, जो इसके खतरों को भी रेखांकित कर रहा है। उनको लग रहा है कि भाजपा ने यह अच्छा नहीं किया।

भाजपा के विरोधियों या एनसीपी और कांग्रेस के नेताओं से ज्यादा भाजपा समर्थक पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किरीट सोमैया का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे हसन मुशरिफ के ऊपर डेढ़ हजार करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगा रहे थे। पिछले महीने मुशरिफ के चीनी मिल सहित कई परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी का छापा पड़ा था, जिसके बाद से वे अदालत से मिली अंतरिम जमानत पर बाहर हैं। अंतरिम जमानत पर चल रहे हसन मुशरिफ को भाजपा की सरकार में मंत्री बना दिया गया है! विमानन घोटाले के आरोपी प्रफुल्ल पटेल भी केंद्र में मंत्री बन जाएं तो हैरानी नहीं होगी। इसी तरह भाजपा विरोधियों से ज्यादा उसके समर्थक देवेंद्र फडनवीस का वह वीडियो वायरल कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने शशोलेय फिल्म का मशहूर डायलॉग दोहराते हुए कहा था कि अजित पवार जेल जाएंगे और शजेल में चक्की पीसिंग एंड पीसिंगज्य। उन्हीं अजित पवार को रविवार को राजभवन में उप मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई और देवेंद्र फडनवीस उनका स्वागत कर रहे थे। ध्यान रहे भाजपा अजित पवार के भ्रष्ट होने की धारणा पिछले करीब ढाई दशक से बना रही है। जब पहली बार 1999 में कांग्रेस और एनसीपी की सरकार बनी थी तब से उनको भ्रष्ट ठहराया जा रहा है। किसी और पार्टी ने उन पर भ्रष्टाचार के आरोप कभी नहीं लगाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पिछले दिनों भोपाल में जब कहा कि एनसीपी ने 70 हजार करोड़ रुपए का घोटाला किया है तो वे असल में अजित पवार की ही बात कर रहे थे।

अजित पवार के ऊपर ही 70 हजार करोड़ रुपए के सिंचाई घोटाले का आरोप लगा था और 2014 में जब देवेंद्र फडनवीस के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी तो राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने मुकदमा दर्ज किया था। नवंबर 2019 में जब फडनवीस के साथ अजित पवार 80 घंटे के लिए उप मुख्यमंत्री बने थे तब पहले 24 घंटे के भीतर ही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने सिंचाई घोटाले में क्लोजर रिपोर्ट लगा दी थी। हालांकि अदालत ने उसे अभी तक स्वीकार नहीं किया है। यह मामला अजित पवार के जल संसाधन मंत्री रहने के समय का है। जब अजित पवार ने जल संसाधन मंत्रालय छोड़ा तो उनके करीबी सुनील तटकरे इस विभाग के मंत्री बने थे। सो, पूरे सिंचाई घोटाले का आरोप अजित पवार और सुनील तटकरे के ऊपर है। अब अजित पवार उप मुख्यमंत्री बन गए हैं और सुनील तटकरे की बेटी अदिति तटकरे को भी शिंदे सरकार में मंत्री बना दिया गया है।

भाजपा ने अगर किसी आपात स्थिति में अजित पवार का समर्थन लिया होता तब भी सवाल उठते लेकिन उसका इतना गहरा दाग भाजपा के ऊपर नहीं लगता, जितना अभी लगा है। भाजपा के सामने कोई आपात स्थिति नहीं थी। राज्य सरकार को पूर्ण बहुमत है और आने वाले दिनों में भी कोई खतरा उत्पन्न नहीं होना है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित जिन 16 विधायकों के अयोग्य ठहराए जाने की संभावना जताई जा रही है वह भी हकीकत नहीं है क्योंकि उसमें फैसला स्पीकर को करना है, जो भाजपा के ही नेता हैं। सो, सदस्यता जाने वाली बात भी एक काल्पनिक खतरे की तरह है। तभी बिना किसी आपात स्थिति के भाजपा ने एक ऐसे नेता और एक ऐसी पार्टी को अपने साथ लिया है, जिसके बारे में उसने खुद भ्रष्टाचार की धारणा बनवाई है। प्रधानमंत्री नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी को नेशनलिस्ट करप्ट पार्टी कहते रहे हैं।

इस घटनाक्रम से भाजपा के सामने नैतिक, विचारधारात्मक और राजनीतिक तीनों तरह से सवाल खड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री ने पटना में जुटी सभी विपक्षी पार्टियों के ऊपर सामूहिक रूप से 20 लाख करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया था, जिसमें 70 हजार करोड़ रुपए का घोटाला उनके हिसाब से एनसीपी का था। इस घोटाले के प्राथमिक आरोपी अब भाजपा के साथ हैं। सो, एक बड़ा नैतिक सवाल यह है कि भाजपा अब कैसे भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाएगी? प्रधानमंत्री कैसे यह गारंटी देंगे कि वे हर भ्रष्टाचारी पर कार्रवाई करेंगे? अगर वे गारंटी दे भी दें तो इस बात की क्या गारंटी होगी कि लोग उस पर यकीन करेंगे? हो सकता है कि भ्रष्टाचार को खत्म करने के भाजपा के वादे पर यकीन नहीं करने वाले भी उसको वोट दे दें लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता है कि इससे भाजपा की नैतिक शक्ति का कुछ और क्षरण हुआ है। उसे वोट देने वाले भी अब नहीं मानेंगे कि वह भ्रष्टाचार से लड़ रही है। इस तरह भाजपा ने खुद ही अपना और दूसरी पार्टियों का फर्क समाप्त कर लिया है। यह बात स्थायी रूप से लोगों को दिल दिमाग में दर्ज होगी।

दूसरा सवाल विचारधारात्मक है। भाजपा के नेता शिव सेना और उद्धव ठाकरे पर यही आरोप लगाते थे कि वह हिंदुत्व की राजनीति करने वाली पार्टी थी, जिसने कांग्रेस और एनसीपी से तालमेल करके अपने को वैचारिक रूप से भ्रष्ट बना लिया है। इसी आधार पर शिव सेना टूटी भी थी। एकनाथ शिंदे गुट की ओर से कहा गया था कि वे एनसीपी और कांग्रेस के साथ सहज नहीं महसूस कर रहे थे इसलिए पार्टी तोड़ दी। अब सवाल है कि शिंदे गुट और भाजपा कैसे एनसीपी के साथ सहज महसूस करेंगे? जिस पार्टी के साथ विचारधारा का टकराव रहा हो उसके साथ सरकार चलाना और फिर साथ मिल कर चुनाव लडना क्या आसान होगा? क्या जनता बहुत सहज रूप से इस बात को स्वीकार कर लेगी कि राजनीति में कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता है? अगर ऐसा है तो फिर जनता भाजपा और दूसरी पार्टियों में फर्क भी तो महसूस नहीं करेगी? तब क्या इससे कांग्रेस और दूसरी पार्टियों को वैधता नहीं मिलेगी?

जहां तक राजनीतिक सवाल है तो भाजपा को समझना चाहिए कि एनसीपी का वोट अजित पवार, छगन भुजबल या प्रफुल्ल पटेल के पास नहीं है, बल्कि शरद पवार के पास है। शिव सेना के मामले में भाजपा के नेता खुद ही इस बात को महसूस कर रहे हैं कि शिव सैनिक एकनाथ शिंदे के साथ नहीं हैं, बल्कि उद्धव ठाकरे के साथ हैं। तभी राजनीतिक रूप से शिंदे भाजपा के लिए बहुत महत्वपूर्ण नहीं रह गए हैं। एनसीपी के मामले में भी यह बात सही है कि शरद पवार के रहते अजित पवार पार्टी का वोट अपने साथ नहीं ला सकते हैं और न भाजपा को ट्रांसफर करा सकते हैं। तभी भाजपा के लिए यह सौदा घाटे का लग रहा है। एक खतरा यह भी है कि अगर पहले की तरह इस बार भी सारा खेल शरद पवार ने रचा हो तो घटनाएं ऐसी होंगी, जिनसे अगले साल के चुनाव तक भाजपा पूरी तरह से एक्सपोज होकर बैकफुट पर होगी। अगर यह उनका खेल नहीं है तो अजित पवार के साथ साथ शरद पवार और उनकी पार्टी भी पाक दामन हो गए हैं। वे शहीद की तरह मराठा लोगों के बीच जाएंगे और वोट मांगेंगे।

औरंगजेब पर राजनीति क्यों?

अजय दीक्षित

यह कैसी हैरानी और विडंबना है कि स्वतंत्र और संप्रभु भारत में भी औरंगजेब के श्फैन क्लबश हैं ! सोशल मीडिया पर उसके नाम के समूह सक्रिय हैं और वे लगातार पोस्ट लिख रहे हैं, लेकिन यह पराकाष्ठा है और अस्वीकार्य भी है कि श्औरंगजेब आप सबका बापश जुमले के बैनर और पोस्टर लिखे और लहराये जा रहे हैं। दुर्भाग्य है कि देश में एक तबका आज भी औरंगजेब को अपना श्नायकश मानता है। अदालतों के भीतर की बहस के दौरान ऐसी दलीलें दी जा रही है– औरंगजेब क्रूर और निर्दयी नहीं था। वह आक्रांता भी नहीं था। उसके कालखण्ड के दौरान मंदिरों और अन्य हिन्दू धर्मस्थलों को ध्वस्त नहीं किया गया। ऐसी दलीलों पर हैरानी होती है और हंसी भी आती है कि भारत का एक हिस्सा आज भी मजहबी, मानसिक तौर पर गुलाम है। हम साम्प्रदायिक सौहार्द के पक्षधर हैं और हमारा संविधान भी यही सिखाता है, लिहाजा सम्प्रदाय के नाम पर भडकाए गए दंगों और हिंसक उपद्रवों पर टिप्पणी करने से हम परहेज करते हैं, लेकिन महाराष्ट्र के कोल्हापुर, अहिल्यानगर आदि इलाकों में, औरंगजेब के महिमामंडन और आपतिजनक हिन्दू–विरोधी जुमलों के मद्देनजर, जो साम्प्रदायिक तनाव भड़का, उसकी भर्त्सना की जानी चाहिये । यह साम्प्रदायिक विभाजन का सिलसिला कब थमेगा? औरंगजेब का कालखण्ड बीते 300 साल से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है, लेकिन औरंगजेब की औलादें आज भी उसे जिंदा रखे हैं। विवादास्पद दुष्प्रचार किया गया, तो कुछ हिन्दू संगठनों ने श्बंदश का आह्वान किया। नतीजतन साम्प्रदायिकता भिड़ पड़ी और पुलिस को लाठीचार्ज कर माहौल को सामान्य करना पड़ा ।

21वीं सदी के भारत में औरंगजेब क्यों और किस तरह प्रासंगिक है? मुगल बादशाहत को खत्म हुये सदियां बीत चुकी हैं। ब्रिटिश साम्राज्य की चूलें भी हमने हिला दी और आज हम एक आजाद मुल्क हैं। इतिहास में मुर्दों को जिंदा रहने दें और अतीत को दर्ज करते रहें, लेकिन औरंगजेब को श्देश का बापश मानने और प्रचारित करने का औचित्य क्या है? क्या मुगल भारतीय मुसलमानों के वंशज थे? मुगल बादशाहों ने अपनी ही जमात पर भी खूब जुल्म ढाए थे, क्या मुसलमानों को ये तथ्य ज्ञात नहीं हैं? वाराणसी की कथित ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा का श्रीकृष्ण जन्मभूमि–ईदगाह मस्जिद विवाद अदालतों के विचाराधीन हैं। दोनों ही ऐतिहासिक साक्ष्य हैं कि औरंगजेब ने मंदिरों का विध्वंस किया और मस्जिदें बनवाई थीं। बदकिस्मती है कि हमें आज भी अपने आस्था–स्थलों के संरक्षण के लिए कानूनी लड़ाई लडनी पड़ रही है। इतिहास में ब्यौरे दर्ज हैं कि औरंगजेब ने राजस्थान के चित्तौडगढ़ में ही 63 हिन्दू मंदिरों को तुड़वा कर श्मलबाश बनवा दिया था। 1669 में औरंगजेब के आदेश पर ही काशी का मंदिर तोड़ा गया और ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई गई। मालवा की तत्कालीन महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने 1780 में मंदिर का पुनर्निर्माण कराया था, जिसे आज हम श्काशी विश्वनाथ मंदिरश के तौर पर जानते हैं। औरंगजेब कितना मानवीय अथवा क्रूर था, उसका एक ही उदाहरण पर्याप्त है। उसने सिखों के नवें गुरु तेगबहादुर जी का सिर धड़ से अलग करवा दिया था। उसी स्थान पर शीशगंज गुरुद्वारा बना है, लेकिन हमारी गुलाम मानसिकता देखिए कि पास में ही औरंगजेब रोडश भी बनी है। औरंगजेब ने हमारे प्राचीन देश पर करीब 50 साल हुकूमत की। उस दौरान कितने मंदिर तोड़े होंगे, कितनी हत्याएं की होंगी, इसका ठोस, प्रामाणिक इतिहास उपलब्ध नहीं है, लेकिन औरंगजेब, बाबर, अकबर, जहांगीर, शाहजहां सरीखे बादशाहों को आज भी स्मरण करने का औचित्य क्या है? क्या उन्होंने हिन्दुस्तान के गौरव और गर्व के लिए ऐसा कोई योगदान दिया था ।

झटका सिर्फ एनसीपी को नहीं बल्कि समूची विपक्षी एकता को लगा है

ललित गर्ग

भाजपा एक सक्षम एवं ताकतवर पार्टी है, नरेन्द्र मोदी एवं अमित शाह करिश्माई राजनेता हैं, अनेकानेक विशेषताओं वाले इन दोनों नेताओं की एक बड़ी विशेषता यह है कि ये अपने साथ दगा करने, धोखा देने या विश्वासघात करने वालों को कभी माफ नहीं करते।

वर्ष 2024 के चुनाव से पूर्व भारतीय राजनीति के अनेक गुणा–भाग और जोड़–तोड़ भरे दृश्य उभरेंगे। महाराष्ट्र में ताजा राजनीतिक घटनाक्रम को देखते हुए तो ऐसा ही लगता है। वहां जो हुआ है उससे विपक्ष में खलबली है, घबराहट एवं बेचैनी स्पष्ट देखी जा सकती है, जो पटकथा महाराष्ट्र में लिखी गयी है, वही बिहार में भी लिखी जा सकती है। राजनीतिक दलों के भ्रष्टाचार को दबाने के लिये, सत्ताकांक्षा एवं आंतरिक असंतोष के चलते ऐसे समझौते, दलबदल एवं उल्टी गिनतियां अब आम बात हो गयी हैं। कल तक सत्ता पक्ष को कोसने वाले अजित पवार अपनी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से बगावत कर डिप्टी सीएम बन गए हैं। राजनीति के चाणक्य माने जाने वाले शरद पवार की पार्टी का यह हश्र आश्चर्यकारी ही नहीं, बल्कि एक बड़ा विरोधाभास एवं विपक्षी एकता का संकट भी है। एक तरफ इस तरह के घटनाक्रम को राजनीतिक दलों में आंतरिक असंतोष व गुटबाजी से जोड़ा जा सकता है तो दूसरी तरफ सत्ता के उस स्वाद की आकांक्षा से भी, जिसे हर कोई पाना चाहता है। राजनीतिक दलों में बगावत का ऐसा दौर जब भी होता है इस बात को जोर–शोर से प्रचारित किया जाता है कि उनके दल में लोकतंत्र नहीं रहा इसलिए वे अपने विरोधियों से हाथ मिला रहे हैं। बड़ा प्रश्न है कि इस तरह राजनीतिक दलों से लोकतंत्र गायब होता रहा है, तो ऐसे अलोकतांत्रिक दल कैसे देश के लोकतंत्र को हांक सकेंगे?आजकल राजनीति में उल्टी गिनती एक श्सूचकश बन गई है, श्किसी महत्वपूर्ण राजनीतिक उठापटक या घटनाक्रम की शुरुआत के लिएश्। विभिन्न राजनीतिक दलों में ऐसी कई उल्टी गिनतियां चल रही हैं। कई कद्दावर नेताओं के सार्वजनिकध्भावी जीवन की उल्टी गिनतियां चल रही हैं। करोड़ों–अरबों के घोटाले और रोज कोई न कोई उसमें और पलीता लगाने वालों के नाम जुड़ रहे हैं। इन पर ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स की कार्रवाई की गिनती शुरू हो रखी है। किसी की भी हालत ठीक नहीं है। ये उल्टी गिनतियां परिचायक हैं कोई नया पर्दा उठने की, किसी नए विस्फोट की। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे नेताओं की कई उल्टी गिनतियां हुईं, फलस्वरूप कई सरकारें गिरींध्बनींध्पर टिकी नहीं। अबकी बार कितनी दूर जाएगी–यह गिनती, पूरी होने पर ही मालूम होगा। पर कांप अभी से कई नेता रहे हैं। इसीलिये ऐसे बेमेल गठबंधन एवं उठापटक देखने को मिल रही है, आम चुनाव आने तक ऐसे तरह–तरह के परिदृश्य उभरेंगे। ऐसे में देखना होगा कि जांच एजेंसियां इन नेताओं के कथित भ्रष्टाचार के मामलों में आगे क्या करती हैं। बहरहाल, दलबदल भले ही महाराष्ट्र में हुआ हो, इसकी सबसे बड़ी चोट राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता पर पड़ी है। शरद पवार विपक्ष के सबसे कद्दावर नेताओं में हैं और विपक्षी एकता के प्रयासों में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में उनके पैरों के नीचे से उनकी लगभग पूरी पार्टी को खींच कर भाजपा ने यह संदेश दिया है कि विपक्षी नेता जो भी दावे करें, उनकी पार्टी ही उनके काबू में नहीं है। यह बहुत बड़ा संदेश है, जिसका जवाब तलाशना भी विपक्षी दलों के लिए जरूरी है।

भाजपा एक सक्षम एवं ताकतवर पार्टी है, नरेन्द्र मोदी एवं अमित शाह करिश्माई राजनेता हैं, अनेकानेक विशेषताओं वाले इन दोनों नेताओं की एक बड़ी विशेषता यह है कि ये अपने साथ दगा करने, धोखा देने या विश्वासघात करने वालों को कभी माफ नहीं करते। मौका आने पर ये ऐसे लोगों को सबक जरूर सिखाते हैं, महाराष्ट्र में सियासी उठापटक ऐसा ही सबक है। चुनाव पूर्व गठबंधन को नकारते हुए 2019 में शिवसेना ने अपने सहयोगी दल भाजपा से संबंध तोड़ जिस तरह सरकार बनाई और उसके जवाब में बाद में भाजपा ने जो दांव खेला, वह किसी से छिपा नहीं नहीं है। विधानसभा चुनाव के दौरान तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष रहे अमित शाह को चुनाव परिणाम बाद उद्धव ठाकरे ने धोखा दे दिया था। इसी कारण एकनाथ शिंदे शिवसेना से बगावत कर सीएम बनने में कामयाब हुए। दरअसल महाराष्ट्र में राकांपा के साथ जो कुछ भी हुआ उसका एक बड़ा कारण यह भी है कि शरद पवार ने चुनाव परिणाम के बाद भाजपा के साथ सरकार बनाने को राजी होकर भी तीन–चार दिनों में ही पलटी मार ली थी। इस तरह से शरद पवार ने भी अमित शाह को धोखा दिया था। एक चीज साफ नजर आती है कि भाजपा को धोखा देने वाले नेता अथवा पार्टी को अमित शाह राजनीतिक रूप से माफ नहीं करते। अमित शाह उस नेता या पार्टी को राजनीतिक सबक सिखाने के लिए बस सही समय का इंतजार करते हैं।ताजा घटनाक्रम के लिए विपक्षी दल भाजपा को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, भाजपा इसे राकांपा का अंदरूनी मामला बता रही है तो एनसीपी के बागी नेता किसी दबाव से इंकार करते हुए विकास के लिए शिंदे सरकार का साथ देने की बात कह रहे हैं। राजनीतिक जोड़–तोड़ के माहिर खिलाड़ी रहे राकांपा प्रमुख शरद पवार के लिए यह निश्चित ही बड़ी राजनीतिक मात साबित हुई है। ऐसे वक्त में जब समूची भारतीय राजनीति में पवार खुद विपक्षी एकता के प्रयासों में जुटे थे, उनकी ही पार्टी में यह विभाजन महाराष्ट्र की नई राजनीतिक इबारत लिखने वाला होगा, इसमें कोई संशय नहीं है। लेकिन अहम सवाल यही उठता है कि देश की राजनीति आखिर सत्ता की खातिर ऐसे रास्ते पर क्यों चलने लगी है? पृथक चुनाव चिह्न पर जीत कर आने वाले आसानी से विरोधियों से हाथ क्यों मिलाने लगे हैं? देखा जाए तो धन बल के सहारे सत्ता पाना और सत्ता के सहारे धनबल हासिल करना आज की राजनीति की विकृति एवं विसंगति बन गया है।

महाराष्ट्र में राकांपा के अंदर मची उठापटक के बाद उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बिहार में जनता दल युनाइटेड और झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा को पार्टी में टूट का खतरा सताने लगा है। ऐसा ही डर कुछ और छोटी पार्टियों को भी है। लेकिन सबसे ज्यादा घबराहट जनता दल युनाइटेड खेमे में देखी जा रही है। जनता दल युनाइटेड की यह घबराहट स्वाभाविक भी है क्योंकि उसने भाजपा को जो धोखा दिया था उसका जवाब अब तक भाजपा ने नहीं दिया है। इन विपक्षी दलों की यह घबराहट सत्ता–लोलुपता की प्रवृत्ति के साथ किये गये भ्रष्टाचार के कारण है। शायद यही वजह है कि विपक्षी पार्टियों की बेंगलुरु में प्रस्तावित बैठक टलने की चर्चा भी शुरू हो गयी, लेकिन कांग्रेस ने यह स्पष्ट कर दिया कि बैठक बेंगलुरु में ही 17 और 18 जुलाई को ही होगी। कांग्रेस नेताओं ने यह बताना भी जरूरी समझा कि महाराष्ट्र में हुई घटनाओं का विपक्षी दलों के एकता के प्रयासों पर कोई असर नहीं पड़ने वाला। मगर पार्टी में सेंधा लगने के बाद इन दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने राजनीतिक धरातल को बनाए रखने की है। सवाल यह खड़ा हुआ है कि क्या नेताओं के साथ–साथ पार्टी का वोट आधार भी दूसरे खेमे में चला गया है। विपक्षी दलों की एकता से पहले ही उनके बिखरने की घटनाएं आश्चर्यकारी होने के साथ ही राजनीतिक दलों के कमजोर मनोबल की परिचायक हैं।

एक और बड़ा प्रश्न है कि भारतीय राजनीति की शुचिता एवं आदर्श की रक्षा कैसे हो पायेगी? क्योंकि उभर रही सबसे बड़ी विडम्बना एवं विसंगति यही है कि जनता जिसको सत्ता से बाहर रखना चाहती है वह ऐसे अनचाहे घटनाक्रम से सत्ता हथिया लेता है। दलबदल कानून की धज्जियां उड़ती हुईं देखकर भी अदालतों से लेकर चुनाव आयोग तक ज्यादा कुछ नहीं कर पा रहे। चुनाव बाद होने वाले गठबंधनों में सत्ता–लोलुपता की प्रवृत्ति तब ही रुकेगी जब संवैधानिक प्रावधानों में जरूरी बदलाव हों। गैर लोकतांत्रिक गठबंधनों को रोकने के लिये राजनीतिक दलों को सशक्त आचार–संहिता से बांधना भी जरूरी है। भारत की जनता को भी राजनीतिक श्रेष्ठ की लम्बे समय से प्रतीक्षा है। हम श्रेष्ठ देखें, श्रेष्ठ सुनें और श्रेष्ठ बोलें। आइए! उल्टी गिनती शुरू करें श्श्रेष्ठ राजनीतिक बनने के लिएश्।

दुश्चक्र में फंसा फ्रांस

राजनीति से जब रोजी–रोटी समेत रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े अन्य मुद्दों को गायब किया जाता है, तो उसका क्या नतीजा होता है, फिलहाल फ्रांस उसका एक खास उदाहरण बना हुआ है।फ्रांस लंबे समय तक अपनी जन–कल्याणकारी व्यवस्था और आधुनिक लिबरल उसूलों के लिए जाना जाता रहा। लेकिन कुछ समय पहले वहां के राजनीतिक विमर्श में सांप्रदायिक और नस्लवादी मुद्दों को महत्त्व देने की जो होड़ लगी, उसने वहां के समाज की हालत तीसरी दुनिया के किसी देश की तरह बना दी है। पेरिस के एक उपनगर में 17 साल के लड़के की पुलिस की गोली से हुई मौत के बाद जैसी हिंसा और अफरातफरी का शिकार फ्रांस हुआ है, उस बारे में कभी सोचना भी मुश्किल था। राजनीति से जब रोजी–रोटी समेत रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े अन्य मुद्दों को गायब किया जाता है, तो उसका क्या नतीजा होता है, फिलहाल फ्रांस उसका एक खास उदाहरण बना हुआ है। यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि पिछले लगभग दो दशक से फ्रांस की राजनीति धुर दक्षिणपंथ बनाम उदारवाद की बहस में सिमटी रही है। पूर्व राष्ट्रपति यॉक शिराक के जमाने से धुर दक्षिणपंथ को रोकने के लिए कंजरवेटिव, उदारवादी और यहां तक कि वामपंथी ताकतें एक मंच पर एकजुट होती रही हैं।इस दौरान सारी बहस नस्ल, इस्लामोफोबिया, आव्रजन और एलजीबीटीक्यू अधिकार जैसे मसलों पर सिकुड़ती चली गई है। ऐसे मुद्दों पर बहस भावनात्मक रूप लेती है ।

पार्टी वो साहस नहीं दिखा पा रही जो पूर्व प्रधानमंत्री ने उस दौर में दिखाया था

राजीव सचान

1951–52 में पहले आम चुनाव हुए। नेहरूजी ने डंके की चोट पर कहा कि यदि वह सत्ता में आते हैं तो हिंदू कोड बिल लेकर आएंगे। चुनाव में भी उनका विरोध जारी रहा। वह फूलपुर से चुनाव लड़ रहे थे। वहां भी उनके खिलाफ यह प्रचार किया गया कि वह हिंदू कोड बिल लाकर हिंदू समाज की परंपराओं को नष्ट करना चाहते हैं।कांग्रेस वैसा साहस नहीं दिखा पा रही, जैसा नेहरूजी ने हिंदू कोड बिल को लेकर दिखाया था। संविधान लागू होने के 73 साल बाद आज जिस समान नागरिक संहिता को लाने की पहल हो रही है, उसकी चर्चा स्वतंत्रता के पहले ही शुरू हो गई थी। भारत के अलग–अलग समुदायों के विवाह, उत्तराधिकार संबंधी निजी कानूनों को एक समान बनाने की पहल अंग्रेज सरकार ने की थी। इस पहल में हिंदू समाज के कुछ सुधारवादी नेता भी शामिल थे। इनमें प्रमुख थे राजा राममोहन राय। उनके बाद ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने समाज सुधार की कमान अपने हाथ में ली।1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद जब अंग्रेजी सत्ता ने भारत का शासन पूरी तौर पर अपने हाथ ले लिया तो उन्होंने तेजी के साथ नए–नए कानून बनाए शुरू कर दिए। इसके चलते स्पेशल मैरिज एक्ट भी बना और विवाह योग्य आयु निर्धारण संबंधी कानून भी। स्त्री धन संबंधी भी एक कानून बना। पारिवारिक मामलों को लेकर जो कानून बने, वे ज्यादातर हिंदू समाज को लेकर बने, क्योंकि कई हिंदू सुधारवादी उनकी पैरवी कर रहे थे। मुस्लिम समाज के नेता अपने निजी कानूनों में संशोधन–परिवर्तन के प्रति अनिच्छुक और अड़ियल थे, इसलिए अंग्रेजों ने उन्हें न छेड़ने का ही फैसला किया। शायद इसका एक कारण यह भी रहा कि वे हिंदुओं और मुसलमानों के बीच की खाई चौड़ी करना चाहते थे।जैसे–जैसे स्वतंत्रता का समय निकट आने लगा, हिंदुओं के निजी कानूनों में सुधार की पहल भी तेज होने लगी। मुस्लिम समाज के नेता ऐसी किसी पहल के विरोध में थे। उन्होंने अंग्रेजों पर दबाव भी बनाया। इसके नतीजे में 1937 में अंग्रेजों ने शरीयत एक्ट पास किया। इसका मतलब था कि मुसलमान सदियों पुरानी शरीयत के हिसाब से ही चलेंगे और अपनी महिलाओं को कोई अधिकार नहीं देंगे।

जब आजादी का समय और करीब आ गया तो डा. भीमराव आंबेडकर ने समान नागरिक संहिता की पैरवी करनी शुरू कर दी। आखिरकार आजादी मिली और संविधान सभा बनी। संविधान सभा में समान नागरिक संहिता की पहल इसलिए आगे नहीं बढ़ सकी, क्योंकि कट्टरपंथी मुस्लिम नेता अपने समाज के निजी कानूनों में बदलाव के लिए तैयार नहीं हुए। इसके विपरीत हिंदू समाज के अनेक नेता यह मानते थे कि महिलाओं को बराबरी के अधिकार देना आवश्यक है। इस कारण हिंदू कोड बिल की चर्चा आगे बढ़ी। डा. आंबेडकर हिंदू कोड बिल के सबसे बड़े समर्थक थे। उनका साथ दिया जवाहरलाल नेहरू ने।हालांकि कांग्रेस के कई बड़े नेता हिंदू कोड बिल के पक्ष में नहीं थे, जैसे राजेंद्र प्रसाद, जेबी कृपलानी और पुरुषोत्तम दास टंडन। जनसंघ समेत विरोधी दलों के कई नेताओं को भी इस पर आपत्ति थी कि केवल हिंदू समाज के निजी कानूनों को ही क्यों बदला जा रहा है। उनका जोर था कि हिंदू कोड बिल के बजाय समान नागरिक संहिता लाई जाए और उसके दायरे में सभी समुदाय आने चाहिए। समान नागरिक संहिता के पक्ष में माहौल न बनने के कारण संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में यह लिखा गया कि राज्य देश की जनता के लिए ऐसी संहिता का निर्माण करेगा।

जब संविधान सभा ने संसद का रूप लिया तब अंतरिम सरकार के कानून मंत्री बने डा. आंबेडकर। उनका मानना था कि समाज को सबल बनाना है तो महिलाओं को बराबर के अधिकार देने होंगे और हिंदू समाज की सामाजिक कुरीतियों को भी दूर करना होगा। नेहरूजी उनके साथ थे। जब कांग्रेस के अंदर और बाहर हिंदू कोड बिल का विरोध बढ़ा और नेहरूजी को यह समझाया गया कि अभी आप चुनी हुई सरकार के प्रधानमंत्री नहीं हैं और ऐसे में इतना बड़ा फैसला नहीं ले सकते तो उन्होंने चुनाव बाद इस मामले में आगे बढ़ना तय किया। इससे नाराज होकर डा. आंबेडकर ने कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया, क्योंकि वह हिंदू कोड बिल पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं थे।1951–52 में पहले आम चुनाव हुए। नेहरूजी ने डंके की चोट पर कहा कि यदि वह सत्ता में आते हैं तो हिंदू कोड बिल लेकर आएंगे। चुनाव में भी उनका विरोध जारी रहा। वह फूलपुर से चुनाव लड़ रहे थे। वहां भी उनके खिलाफ यह प्रचार किया गया कि वह हिंदू कोड बिल लाकर हिंदू समाज की परंपराओं को नष्ट करना चाहते हैं। अनेक साधु–संत भी हिंदू कोड बिल के कारण नेहरूजी का विरोध कर रहे थे। कई संत तो उन्हें शास्त्रार्थ करने की चुनौती दे रहे थे और ऐसे प्रश्न पूछ रहे थे कि कहां लिखा है कि हिंदू पुरुष किसी भी परिस्थिति में दूसरा विवाह नहीं कर सकता? नेहरूजी टस से मस नहीं हुए। उन्हें भारी बहुमत मिला और फिर उन्होंने हिंदू कोड बिल लाने का काम शुरू किया। हालांकि उनके पास प्रबल बहुमत था, लेकिन हिंदू कोड बिल का विरोध जारी था। इसे देखते हुए उन्होंने इस बिल के चार हिस्से किए और 1955–56 में उन्हें अलग–अलग पारित कराया। इस तरह हिंदू समाज में सुधार की एक बड़ी पहल हुई। इन बिलों के पारित होने में डा. आंबेडकर की सीधी भूमिका तो नहीं थी, क्योंकि तब वह मंत्री नहीं रह गए थे, लेकिन वह न होते तो शायद सामाजिक सुधार का इतना बड़ा काम न हो पाता।

यह देखना दयनीय है कि नेहरूजी का गुणगान करने वाली आज की कांग्रेस समान नागरिक संहिता मामले में मुल्ला–मौलवियों वाला घोर स्त्री विरोधी और प्रतिगामी रवैया अपनाए हुए है। वह तरह–तरह के बहाने बनाकर और कुतर्क देकर वही काम कर रही है, जो नेहरूजी के समय कुछ पुरातनपंथी कर रहे थे। यह लज्जा की बात है कि आज की कांग्रेस वैसा साहस दिखाने से मुंह चुरा रही है, जैसा नेहरूजी ने हिंदू कोड बिल को लेकर दिखाया था। वह फिर से शाहबानो वाले मामले जैसी भूल कर रही है।

मण्डलीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

अयोध्या। आयुक्त कार्यालय सभागार में मण्डलीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश सरकार के राजस्व राज्यमंत्री अनूप प्रधान बाल्मीकि, अति विशिष्ट अतिथि के रूप में अपर मुख्य सचिव राजस्व सुधीर गर्ग, उपाध्यक्ष राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण ले0ज0 आर0पी0 शाही, विशिष्ट अतिथि राहत आयुक्त पी0एन0 सिंह, मण्डलायुक्त गौरव दयाल, जिलाधिकारी नितीश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।कार्यशाला को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि राजस्व राज्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के पूर्व उत्तर प्रदेश में 38 जिले बाढ़ से प्रभावित हुआ करते थे, जिन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व एवं सभी के सहयोग से अब 4 जनपद ही बाढ़ से प्रभावित रह गए है। मंत्री ने कहा कि इस कार्यशाला में आपदा के जोखिम को कैसे कम से कम स्तर पर लाया जाय इसके विषय में चर्चा की गयी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा 11 घटनाओं को आपदा की श्रेणी में रखा गया है तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पहले 9 घटनाओं को आपदा श्रेणी में रखा गया था जिसमें हाल ही में दो और घटनाओं (सर्पदंश, नील गाय) से प्रभावित को जोड़ते हुए कुल 11 को आपदा घोषित किया गया है। राज्य में आपदा के लिए आपदा हेल्पलाइन नम्बर 1070 जारी किया गया है, जो लखनऊ स्थित एनेक्सी के 20 सीटर हाल में 24ग7 संचालित है, जिसमें प्रदेशवासियों द्वारा फोन काल के माध्यम से जो जानकारियां उपलब्ध करायी जाती है, जिसे तत्काल जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित करते हुये निस्तारित कराया जाता है। उन्होंने कहा कि हाल ही में दिल्ली में आयोजित आपदा प्रबन्धन के कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के बाढ़ राहत कार्यक्रमों की प्रशंसा की गयी जिसमें आप सभी बधाई के पात्र है। अभी बीते जून माह में मुख्यमंत्री की प्रेरणा से लखनऊ में राज्य आपदा प्रबन्धन के लिए डेढ़ एकड़ भूमि पर एक डेडीकेटेड बिल्डिंग का शिलान्यास किया गया है, जिससे आपदा राहत कार्यक्रमों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुये उपाध्यक्ष राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण ले0ज0 आर0पी0 शाही ने कहा कि आकाशीय बिजली से बचने का सबसे बेहतर उपाय पक्की छत के नीचे रहना है। आसमान में बिजली चमकने के दौरान प्रायः लोग पेड़ की छाया का सहारा लेते है जो अत्यंत ही जोखिम है, चूंकि पेड़ के पास बिजली गिरने की संभावना अत्यधिक रहती है। उन्होंने कहा कि आकाशीय बिजली सहित अन्य दैवीय आपदाएं प्रायः ग्रामीण क्षेत्रों में होती है, जिसका मुख्य कारण ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता का अभाव है हमें एक बेहतर अभियान चलाकर डाक्यूमेंट्री फिल्म आदि के माध्यम से ग्रामीण जन एवं ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नदियों के घाटों पर राजस्व टीम व पुलिस बल मिलकर वहां के नाविकों द्वारा चलायी जा रही नावों की फिटनेस आदि की जांच निरन्तर करते रहने की आवश्यकता है तथा प्रत्येक यात्री को नौकायन के दौरान लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य किया जाए, जिससे किसी भी दुर्घटना आदि से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण होने के उपरांत श्रद्धालुओं की संख्या में लाखों की वृद्धि होगी जिसके लिए अभी से बेहतर कार्ययोजना बनाकर कार्य किये जाय, जिससे अग्रिम भविष्य में श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न होने पाये। कार्यशाला में आये सभी आपदा एवं सम्बंधित विभागों से जुड़े अधिकारियों को सम्बोधित करते हुये अपर मुख्य सचिव राजस्व श्री सुधीर गर्ग ने कहा कि आप सभी 'एजेंट आफ चेंज' हो जिनके माध्यम से आपदा के दौरान होने वाली हानियों को कम किया जा सकता है। हम सभी के पास संसाधनों की कोई कमी नही है, परन्तु आम जनमानस के मध्य आपदा से बचने सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों का अभाव है। इसके लिए हम सभी को आम जनमानस के मध्य आपदा से बचने की जानकारियों को जागरूकता के माध्यम से पहुंचाने पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी एक टारगेट फिक्स कर लें कि कैसे हम आपदा के दौरान होने वाली हानियों को शून्य स्तर पर ला सकते है और इसके लिए बेहतर उपाय करें। उन्होंने कहा कि अभी प्रदेश में केवल एक डॉपलर रडार सिस्टम है जिसके माध्यम से हम मौसम की सटीक जानकारी प्राप्त करते है। आगामी दिनों में ऐसे 5 रडार प्रदेश में लगाये जायेंगे जिससे हम और बेहतर मौसम की सटीक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे तथा भविष्य में सरकार की योजना है कि बेहतर मौसम की जानकारी ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए हर पंचायत भवन में मौसम डिटेक्टर लगाये जायेंगे। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे अपर मुख्य सचिव राजस्व सुधीर गर्ग द्वारा सभी जिलों के अधिकारियों से आपदा राहत के लिए सुझाव प्राप्त किये तथा उनके द्वारा उठाये गये बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। राहत आयुक्त पी0एन0 सिंह ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुये कहा कि बरसात का मौसम को देखते हुये जहां भी बाढ़ आने की संभावना हो वहां पहले से ही नाव सहित अन्य जरूरी संसाधन तैयार कर लें तथा जो भी क्षेत्र बाढ़ के लिए अत्यधिक संवेदनशील हो उनकी निरन्तर मॉनीटरिंग की जाय। उन्होंने कहा कि आपदा से प्रभावित व्यक्तियों को तत्काल सहायता प्रदान की जाय तथा उनकी हरसंभव मदद की जाय। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में सम्बंधित अधिकारी जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण की बिल्डिंग निर्माण का प्रोजेक्ट शासन को भेजे, जिसे स्वीकृत कराकर जल्द ही जिलों में डीडीएमए की बिल्डिंग उपलब्ध करायी जा सकें। मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने कार्यशाला में आये मंत्री सहित वरिष्ठ अधिकारियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मण्डलायुक्त ने मण्डलीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यशाला का आयोजन मण्डल अयोध्या में आयोजित करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का आयोजन एक अच्छी पहल है इसका लाभ पूरे मण्डल के अधिकारियों सहित आम जनमानस को प्राप्त होगा। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने कार्यशाला में आये हुये सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुये कहा कि आपदा के समय संचार का माध्यम सबसे महत्वपूर्ण होता है। आपदा के जोखिम को न्यूनीकरण करने के लिए संचार माध्यम का बेहतर होना आवश्यक है जिसके माध्यम से हम धरातल पर लोगों को आपदा से बचने की जानकारी पहुंचा सकते है। हम सभी को यहां से प्राप्त जानकारी को धरातल पर उतारना है, कैसे अपने ज्ञान को वास्तविक धरातलध्ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचाना है यह बहुत जरूरी है। कोविड के दौरान सभी सरकारी विभागों ने जिस प्रकार कार्य किया वह प्रशंसनीय है। हम सभी को उसी प्रकार आपदा के पूर्व भी सभी तैयारियों को पूर्ण करने में अपना अहम योगदान देना चाहिए, जिससे आपदा के दौरान होने वाली हानियों को शून्य स्तर पर लाया जा सकें। कार्यशाला में परियोजना निदेशक राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण अदिति उमराव द्वारा बाढ़ प्रबन्धन तथा जिला आपदा प्रबन्धन के सशक्तीकरण के सम्बंध में प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा एनडीआरएफ, एसडीआरएफ तथा मौसम विज्ञान केन्द्र लखनऊ सहित अन्य आपदा प्रबन्धन से जुड़े विभाग के प्रतिनिधियों द्वारा आपदा के दौरान की जाने वाली गतिविधियों आदि की जानकारी सभी से साझा की गयी। कार्यशाला का संचालन अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित सिंह द्वारा किया गया। उक्त कार्यशाला में शासन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित मण्डल के सभी जिलों के जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के समिति के सदस्यों एवं मण्डलीय एवं जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अंग्रेजी प्रवक्ता विजेता आर्या का हुआ स्थान्तरण

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' कस्बे के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में काफी लंबे समय से अंग्रेजी प्रवक्ता के पद पर कार्यरत विजेता आर्या का अपने गृह जनपद लखनऊ में स्थान्तरण हो गया है। विजेता वर्मा के स्थान्तरण को लेकर विद्यालय परिवार काफी दुःखी है क्योंकि उनका विद्यालय से चले जाना विद्यालय के लिए अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने अपने जीवन के 14 वर्ष उक्त विद्यालय को समर्पित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर बिना किसी भेदभाव के बच्चों को शिक्षा प्रदान कर विद्यालय का भरपूर सहयोग किया। उनके स्थान्तरण को लेकर विद्यालय परिवार के साथ –साथ बच्चे भी काफी दुःखी दिखाई दिये। विद्यालय के प्रति आपका समर्पण ,सद्व्यवहार, कर्मठ सेवाओं, एवं उनके कार्यकाल को सर्वजन प्रशंसा कर रहा है।उन्होंने एक अच्छे शिक्षक के रूप में बच्चों एवं अविभावकों के बीच अपनी पहचान बनाई। बुधवार को विद्यालय से जाते विजेता आर्या ने प्रबंधक,प्रधानाचार्य,शिक्षक एवं कर्मचारियों से अनौपचारिक बातचीत कर विदा ली। विदाई के समय सभी की आँखे नम हो गई। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने ईश्वर से नित निरंतर उन्नति,आने वाला समय सुखमय और उज्जवल भविष्य, की कामना की।

डेढ़ घंटे हुई झमाझम बारिश, गड्ढायुक्त सड़कों पर भरा पानी

संवाददाता

मिर्जापुर। सावन माह के पहले दिन मंगलवार को करीब डेढ़ घंटे हुई झमाझम बारिश से तापमान नीचे आ गया। इससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत तो मिली, लेकिन जगह–जगह खोदकर छोड़ दी गई व क्षतिग्रस्त सड़कों पर पानी भर गया। इसके चलते वाहन सवारों के साथ ही पैदल आवागमन करने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा।मंगलवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। उमस व गर्मी के बीच अचानक करीब ग्यारह बजे के बाद मौसम का मिजाज बदल गया। बारिश के साथ ही तेज हवा चलने से मौसम सुहावना हो गया। बारिश के चलते नगर की सड़कों की पटरियों पर पानी भर गया। नगर के व्यस्ततम मार्गों वासलीगंज–आर्यकन्या रोड, गिरधर चौराहा–शुक्लहा मार्ग, कचहरी–स्टेशन रोड, रमईपट्टी–कनौराघाट मार्ग पर जगह–जगह हुए गड्ढों में पानी भर गया। शास्त्री पुल से विंध्याचल मार्ग व नटवा–शबरी मार्ग पर पानी भर जाने से लोगों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ा। उधर, मूसलाधार बारिश के बीच मंगलवार को मिर्जापुर–औराई मार्ग पर स्थित नटवा रेलवे पुल के नीचे पानी भर गया। इससे पुल के दोनों तरफ मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। चार पहिया व दो पहिया वाहनों का निकल पाना मुश्किल हो गया। इसी तरह विंध्याचल स्थित रेहड़ा पुल के नीचे पानी भर गया। दोनों स्थानों पर निकलने के चक्कर में कई लोगों के वाहन बंद हो गए। इसके चलते उन्हें पानी से होकर वाहन को पैदल ही लेकर जाना पड़ा।बारिश के दौरान रमईपट्टी–कनौराघाट मार्ग पर पक्का पोखरा से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूरी तक मार्ग पर कीचड़ फैल गया। मार्ग पर वाहन सवारों को कौन कहे, लोगों के लिए पैदल चल पाना भी मुश्किल हो गया। नमामि गंगे योजना के तहत बिछाए गए पाइप लाइन के बाद आधी सड़क की मरम्मत तो कराई गई है जो पहली बारिश भी नहीं झेल पाई जगह–जगह बैठ गई है।

अर्जुनपुर नहर पुलिया के पास सड़क के बीचोबीच खोद कर छोड़े गए गड्ढे कभी भी हादसे का कारण बन सकते हैं। उधर, नगर क्षेत्र से सटे ग्रामीण इलाकों में झमाझम हुई बारिश से मुरझाई धान की नर्सरियों में जान आ गई। बारिश थमते ही खेतों में पानी भरा देख किसानों के चेहरे खिल गए। किसान धान नर्सरियों को सहेजने में जुटे गए। किसानों का कहना है कि सावन के पहले सोमवार को हुई यह बारिश खेती के लिए अमृत वर्षा के समान है।

फंदे से लटका मिला युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

बीकापुर– अयोध्या। तारून थाना क्षेत्र के बुधवार को सुबह 28 वर्षीय युवक का शव कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका हुआ मिला। घटना तारुन थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत फतेहपुर कमासिन अंतर्गत नंसा बाजार की है, रामपुरभगन बाजार निवासी विशाल कसौधन पुत्र विजय कुमार की ससुराल नंसा गांव में है, बाजार में ही वह ग्रामीण बैंक के पास दीपक यादव के मकान में किराए का कमरा लेकर गैस चूल्हा मरम्मत आदि का काम करता है, बुधवार सुबह कमरे की दूसरी मंजिल पर पंखे से गमछा के सहारे उसका शव लटका पाया गया पुलिस और फॉरेंसिक टीम जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार यादव ने बताया मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है मौत के कारणों का सही पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा उन्होंने बताया कि परिवार वालों से जानकारी की जा रही है।

अवध विवि में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री ने एनईपी–2020 को लेकर समीक्षा बैठक की

पाठ्यक्रमों का निर्माण मातृभाषा में भी हो–उच्च शिक्षा राज्यमंत्री

एनईपी के तहत पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परम्परा शामिल–कुलपति

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में मंगलवार को दोपहर कुलपति प्रोफेसर प्रतिभा गोयल की मौजूदगी में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्रीमती रजनी तिवारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संचालन की अद्यतन प्रगति समीक्षा की। उन्होंने एनईपी के संचालन में आने वाली समस्याओं के समाधान के साथ सुझावों को साझा किया। बैठक में राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत मातृभाषा को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यक्रमों का हिंदी में भी निर्माण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकें भी हिंदी में उपलब्ध कराई जाए। राज्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में 2021 से स्नातक स्तर पर लागू एनईपी की समीक्षा करते हुए परीक्षा प्रणाली की भी समीक्षा की। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक व परास्नातक स्तर पर एनईपी के पूर्णतः लागू किए जाने और उसके तहत परीक्षा कराए जाने पर सराहना की। बैठक में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री ने अयोध्या मंडल के महाविद्यालयों के प्राचार्यों से रुबरु होते हुए उनकी समस्यायों के समाधान का आश्वासन भी दिया। समीक्षा बैठक में अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने राज्यमंत्री को विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में 2021 से स्नातक एवं 2022 से परास्नातक स्तर पर लागू एनईपी पाठ्यक्रमों की अद्यतन जानकारी दी। कुलपति ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन, राज्य भवन, यूजीसी के दिए गए निर्देश क्रम में संचालित पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परंपरा को भी शामिल किया गया है। बैठक में विश्वविद्यालय एनईपी टास्कफोर्स के संयोजक प्रो0 एसएस मिश्र ने विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर लागू की गयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर संपूर्ण विस्तृत जानकारी प्रदान की। बैठक में विधायक रामचन्द्र यादव, कुलसचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी पूर्णेंदु शुक्ला, संकायाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह, प्रो0 आशुतोष सिन्हा, प्रो0 अशोक राय सहित विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के राजकीया, अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य व एनईपी प्रभारी मौजूद रहे।

प्रेम प्रसंग के शक में बेटी को बाप ने उतारा मौत के घाट

ब्लाइंड मर्डर का पुलिस ने किया खुलासा, पिता गिरफ्तार

हरदोई। बीती एक जुलाई को पचदेवरा थानाक्षेत्र के बिसौली गांव के बाहर खेत में एक 15 वर्षीय युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। शव को देखने से ही प्रतीत हो रहा था कि युवती की हत्या की गई है। पुलिस युवती के ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी को सुलझाने में जुटी हुई थी जिसमे आखिरकार पुलिस को सफलता हाथ लग गई है और पुलिस ने हत्या की घटना को अंजाम देने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी राजेश द्विवेदी ने प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि पिता द्वारा प्रेम प्रसंग के शक में 15 वर्षीय अपनी ही बेटी मोहिनी की दरांती से हत्या की गई थी। जिज दरांती से मोहिनी की हत्या की गई थी पुलिस ने उस दरांती को भी बरामद कर युवती के ब्लाइंड मर्डर की घटना का खुलासा कर दिया है। एसपी ने बताया कि मोहिनी की हत्या के बाद से ही अनंगपाल बराबर अपने बयान बदल रहा था जिससे पुलिस का शक गहराता चला गया और आखिरकार पुलिस ने जब सख्ती से अनंगपाल से पूछताछ की तो उसने मोहिनी की हत्या की बात कबूल कर ली। एसपी ने बताया कि अनंगपाल को शक था कि उसकी बेटी मोहिनी किसी लड़के से बात करती थी जिससे वह दुखी था और उसने अपनी ही बेटी की हत्या की साजिश कर उसे दरांती से मौत के घाट उतार दिया। एसपी श्री द्विवेदी ने घटना का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को 20 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।

खुशखबरी : जिओ 999 रुपये का सस्ता 4G फोन जिओ भारत वी टू का शुभारंभ

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) गोपामऊ चुंगी स्थित जिओ ऑफिस में गुरुवार को जिओ भारत वी टू का शुभारंभ गायत्री प्रज्ञा पीठ के प्रमुख ट्रस्टी व ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन लखनऊ मंडल अध्यक्ष अतुल कपूर ने गायत्री महामंत्र के साथ किया। इस मौके पर जिओ कंपनी की ओर से अतुल कपूर ने प्रथम फोन गीता देवी को मुफ्त में दिया। इस मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए श्री कपूर ने कहा कि जिओ ने भारत में सस्ता 4जी फोन जिओ भारत वी टू श लॉन्च कर बाजार में तहलका मचा दिया है। नए जिओ भारत वी टू की कीमत मात्र 999 रुपये है। उन्होंने कहा कि कंपनी का दावा है कि 'जियो भारत वी 2 के दम पर कंपनी 10 करोड़ से अधिक ग्राहक जोड़ लेगी। 999 रुपये के इस फोन का मंथली प्लान भी सबसे सस्ता है। ग्राहकों को 28 दिन की वैलिडिटी वाले प्लान के लिए केवल 123 रुपये चुकाने होंगे। इस प्लान में ग्राहकों को कुल 14जी बी डेटा और अनलिमिटेड वॉयस कॉल मिलेंगे। इसके सालाना प्लान की कीमत 1234 रुपये है। मनीष अवस्थी,सुधांशु त्रिवेदी,अमित राठौर, विभम तिवारी,राहुल तिवारी,विवेक मिश्रा,विवेक,शुक्ला आदि जिओ कंपनी के कर्मचारियों ने बस स्टैंड, बंदर पार्क कटरा बाजार ,ठाकुरद्वारा, रोजा गेट, ब्लॉक रोड, आदि पर रैली निकालकर उपभोक्ताओं को जिओ के प्रति जागरूक भी किया।

25 करोड़ भारतीयों को होगा फायदा–मैनेजर सुधांशु त्रिवेदी

जिओ कार्यालय के मैनेजर सुधांशु त्रिवेदी ने बताया कि जियो ने फोन के साथ शजियो भारत प्लेटफॉर्मश भी लॉन्च किया है, जो कि एक ओपन प्लेटफॉर्म है, यानी इसे कोई भी कंपनी यूज कर सकेंगी। इस प्लेटफॉर्म पर अन्य कंपनियों भी सस्ते 4जी लॉन्च कर पाएगी। जियो का कहना है कि इससे भारत तो 2जी मुक्त बनाया जा सकेगा और 25 करोड़ 2जी ग्राहकों को 4जी में लाने में मदद मिलेगा। कॉर्बन ने इस प्लेटफॉर्म का उपयोग शुरु भी कर दिया है। विशेषज्ञ उम्मीद जता रहे हैं कि 2जी फीचर फोन की जगह जल्द ही 4जी भारत सीरीज के मोबाइल ले लेंगे।

जिला डिस्ट्रीब्यूटर मनीष अवस्थी बताते हैं कि जियो भारत वी 2 में क्या है खास

जिला डिस्ट्रीब्यूटर मनीषा अवस्थी का कहना है कि जियो भारत वी 2 4जी फोन है और यह पूरी तरह से भारत में बना है। इसका वजन मात्र 71 ग्राम है। इसमें एचडी वॉयस कॉलिंग, एफएम रेडियो, 128 जीबी का एसडी मेमरी कार्ड सपोर्ट जैसे फीचर मिलते हैं। मोबाइल में 4.5 सेंमी की टीएफटी स्क्रीन, 0.3 मेगापिक्सल का कैमरा, 1000एम ए एच की बैटरी, 3.5 एमएम का हेडफोन जैक, पावरफुल लाउडस्पीकर और टार्च मिलती है। 'जियो भारत वी 2' मोबाइल के ग्राहकों को जियोसिनेमा के सब्सक्रिप्शन के साथ जियो–सावन के 8 करोड़ गानों का एक्सेस भी मिलेगा। ग्राहक जियो–पे के जरिए यूपीआई पर लेनदेन भी कर सकेंगे। कंपनी का कहना है कि जियो भारत वी 2 भारतीय भाषाओं में काम कर सकता है।

राजकीय श्रीराम चिकित्सालय को मिला मानसिक रोग चिकित्सक विशेषज्ञ

अयोध्या। रामनगरी के राजकीय श्री राम चिकित्सालय में मनो रोग चिकित्सा विशेषज्ञ की नियुक्ति की गई है। डॉक्टर गौरव श्रीवास्तव को यहां पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने आज प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि अब यहां मनोरोगियों को समय से इलाज मिलेगा। उन्होंने कहा है कि जो भी मनोरोगी हैं। यहां पर जाकर इलाज करा सकते हैंद। मैं उनकी सेवा के लिए सदैव समर्पित रहूंगा। साथ ही उन्होंने कहा है कि राजकीय श्री राम चिकित्सालय में पहली बार मनोरोग चिकित्सक की नियुक्ति की गई है और मुझे यह दायित्व दिया गया है, लोगों से अपील है कि जो भी नशा सेवन करते हैं उससे मुक्ति पाना चाहते हैं या अन्य दिमाग से संबंधित जो भी रोग है। यहां पर समय से जाकर इलाज करा सकते हैं। मैं उनकी सेवा के लिए सदा समर्पित रहूंगा। साथ ही उन्होंने कहा है कि दिमाग से संबंधित कुछ भी दिक्कत या तकलीफ हो तो उसका समय से मनोचिकित्सक से इलाज कराना चाहिए। उन्होंने बताया कि दिमाग से संबंधित जो भी रोगी हैं। उसका समय से इलाज कराने पर ठीक हो जाता है। इस मौके पर राजकीय श्री राम चिकित्सालय के सीएमएस डॉक्टर राकेश शर्मा और यहां के प्रशासनिक आधिकारिक वाई. पी. सिंह आदि मौजूद उपस्थित रहे।

अयोध्या क्षेत्र के डिपो में 120 अतिरिक्त बसों की होगी व्यवस्था, श्रावण मास व त्योहारों के मद्देनजर योगी सरकार का निर्देश

अयोध्या क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधानुसार बसों की संख्या पर्याप्त रखने के निर्देश, बसों एवं बस स्टेशनों पर साफ–सफाई की भी व्यवस्था रहेगी उत्तम।

अयोध्या। योगी सरकार ने अयोध्या क्षेत्र में श्रावण मास में पड़ने वाले मणि पर्वत मेला, नागपंचमी व रक्षाबंधन के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं व लोगों के दृष्टिगत आवागमन के लिए बसों की पर्याप्त व्यवस्था रखने के निर्देश दिये। 12 जुलाई से 31 अगस्त तक कांवड़िये, मुख्य रूप से बस्ती, गोण्डा, बहराइच, अम्बेडकरनगर, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली व बाराबंकी के रास्ते लाखों श्रद्धालु अयोध्या आते हैं। इस निमित्त योगी सरकार ने यातायात की उत्तम सुविधा देने का भी निर्देश दिया है।यात्रियों को मुहैया हो बेहतर सुविधाएं योगी सरकार के परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने 19 अगस्त को होने वाले मुख्य पर्व (मणिपर्वत मेला) के दृष्टिगत बसों का संचालन यात्रियों की उपलब्धता के अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने यात्रियों को आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होने, बसों व बस स्टेशन साफ सुथरे रखने को भी कहा। स्टेशन पर शौचालय की व्यवस्था उत्तम रखी जाए। उन्होंने कहा कि यात्रियों की संख्या में वृद्धि से निगम की आय में भी वृद्धि होती है। गोंडा, अकबरपुर व सुल्तानपुर में 20–20 बस लगाने के निर्देश उप्र परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने जानकारी दी कि अयोध्या क्षेत्र में श्रद्धालुओं की संख्या के दृष्टिगत 120 बसों को विभिन्न डिपो में लगाये जाने के निर्देश क्षेत्रीय प्रबंधन अयोध्या को दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि गोण्डा, अकबरपुर व सुल्तानपुर बस स्टेशन पर 20–20, बलरामपुर व गोरखपुर बस स्टेशन पर 10–10, बहराइच, बस्ती, बस्ती (सुलतानपुर), जहांगीर, जगदीशपुर व भिटरिया बस स्टेशन पर 05–05 बसें, टांडा में 4 तथा गौर बाजार, बभनान, घनघटा बस स्टेशन पर 02–02 बसों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं, वहीं आवश्यकतानुसार अन्य बसों का होगा भी संचालन होगा यह बात

एमडी परिवहन निगम ने बताया कि इसके अतिरिक्त आवश्कतानुसार गोरखपुर क्षेत्र के बस्ती व सिद्धार्थनगर डिपो से अतिरिक्त बसों का भी संचालन किया जायेगा। स्टाफ की भी संख्या पर्याप्त रखने के निर्देश दिये गये हैं, जिससे कि बसों का संचालन सुचारू रूप से हो सके एवं श्रद्धालुध्यात्रियों को आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

यूपी बोर्ड परीक्षा–2024 की तैयारी में जुटे स्कूल

अयोध्या। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से संचालित होने वाली आगामी 2024 की हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट की परीक्षा के लिए परीक्षा शुल्क जमा करने और ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने का कार्यक्रम जारी हो गया है। इसी के साथ माध्यमिक विद्यालयों ने परीक्षा आवेदन पत्र भरवाने और परीक्षा शुल्क जमा करने की भी तैयारी शुरू कर दी गई है। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा का शुल्क विद्यालयों में पांच अगस्त तक जमा किए जाएंगे। यूपी बोर्ड ने हाईस्कूल संस्थागत का शुल्क 500 और व्यक्तिगत के लिए 700 और इंटरमीडिएट में संस्थागत का शुल्क 600 तथा व्यक्तिगत परीक्षा शुल्क 800 रुपए निर्धारित किया है। यूपी बोर्ड ने वर्ष 2024 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा में शामिल होने वाले संस्थागत और व्यक्तिगत परीक्षर्थियों के आवेदन पत्र परिषद की वेबसाइट पर आनलाइन अपलोड करने की समय सारिणी निर्धारित कर दी है। प्रधानाचार्यों द्वारा छात्र–छात्राओं का कक्षा 10 व 12 में प्रवेश लेने तथा परीक्षा शुल्क प्राप्त करने की अंतिम तिथि पांच अगस्त निर्धारित है। प्रधानाचार्य छात्र–छात्राओं से प्राप्त शुल्क 10 अगस्त तक कोषागार में जमा करेंगे। इसके बाद प्रति छात्र 100 रुपये विलम्ब शुल्क के साथ परीक्षा शुल्क चालान के जरिये जमा करने की अंतिम तिथि 16 अगस्त है।

नीदरलैंड सरकार का बड़ा फैसला स्कूलों में मोबाइल-स्मार्टवॉच पर लगेगा प्रतिबंध

एम्स्टर्डम । नीदरलैंड के शिक्षा मंत्री रॉबर्ट डिकग्राफ ने बताया कि इस फैसले सांस्कृतिक परिवर्तन आएगा। इससे पहले फ्रांस ने 2018 में ऑनलाइन धमकियों को रोकने के लिए प्राइमरी और मिडिल स्कूल में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाया था।नीदरलैंड सरकार अगले साल तक स्कूलों में मोबाइल फोन, टैबलेट और स्मार्टवाच के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाली है।

एसडीओ को किसानों ने सौंपा ज्ञापन।

बीकापुर–अयोध्या। बीकापुर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी तथा किसान सभा व खेत मजदूर यूनियन के कार्यकर्ताओं पदाधिकारी गणों द्वारा 5 जुलाई को प्रदेश में बिजली की बिगड़ती हालत के मद्देनजर उपस्थित होकर सहायक अभियंता बीकापुर के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ को संबोधित 9 सूत्री मांग पत्र दिया गया जिसमें बिजली के निजीकरण को बंद करने बिजली की प्रस्तावित मूल्य वृद्धि वापस लेने व बिजली की बढी दरें वापस लेने एवं उपभोक्ताओं को 300 यूनिट घरेलू उपयोग के लिए फ्री व किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने अघोषित विद्युत कटौती बंद करने जर्जर बिजली के तारों को बदलने तथा विद्युत बिल में हेराफेरी बंद करने एवं जले ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलने व किसानों की ट्यूबवेल पर मीटर न लगाए जाने एवंउपभोक्ताओं की समस्या का निस्तारण शीघ्र करने ,बुनकरों का विद्युत मूल्य नबढ़ाए जाने तथा बिजली विभाग में खाली पदों को भरने संविदा कर्मियों को स्थाई करने एवं निजीकरण के खिलाफ आंदोलन में बिजली कर्मचारियों का उत्पीड़न बंद करने की मांगे शामिल हैं मांग पत्र देने वालों में किसान सभा के जिला अध्यक्ष मोहम्मद शाह संयुक्त किसान मोर्चा के जिला संयोजक मायाराम वर्मा मैनुद्दीन किसान नेता बाबूराम यादव जिला मंत्री अवध राम यादव और अशोक कुमार यादव जिला सचिव मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी जिला कमेटी अयोध्या विष्णु देव वर्मा मायाराम वर्मा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी इंद्रभान पांडे विश्राम प्रजापत आदि शामिल थे।

फार्मेसिस्टों ने स्व राम उजागिर पांडेय जी के सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया

डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसो के संस्थापक स्व राम उजागिर पांडेय फार्मेसी रत्न की 20वी पुण्य तिथि पर प्रदेश भर में रक्तदान, सेमिनार, फल वितरण, श्रद्धांजलि सभा सहित विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के संस्थापक महामंत्री फार्मेसी रत्न स्व राम उजागिर पांडेय की 20वी पुण्यतिथि पर आज प्रदेश के फार्मेसिस्टों ने उनके बताए सिद्धांतो पर चलने का संकल्प लिया। फार्मेसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि आज बलरामपुर चिकित्सालय, सिविल, लोकबंधु सहित सभी चिकित्सालयों में फार्मेसिस्टो ने स्व राम उजागर पांडे जी को याद किया, उन्हें श्रद्धांजलि दी। सिविल अस्पताल में प्रभारी अधिकारी फार्मेसी एच एन चौधरी ने स्व पांडे जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। चीफ फार्मेसिस्ट अजय मिश्रा, पी सी पंत, डी एस पांडे, एम पी चौधरी, एन एम एस सुनील श्रीवास्तव, धीरज, राम कैलाश, रविन्द्र यादव सहित अनेक फार्मेसी प्रशिक्षुओं ने भी पुष्पांजलि दी।फार्मेसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि स्व पांडे जी ने उत्तर प्रदेश के फार्मेसिस्टो को संगठित करने का कार्य किया, प्रदेश में फार्मेसी की शिक्षा शुरू होने के पश्चात फार्मेसी व्यवसाय और फार्मेसिस्टों के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन लाने का पूरा श्रेय स्वर्गीय पांडे जी को जाता है।फेडरेशन के संयोजक के के सचान, जिला सचिव जी सी दुबे ने कहा कि स्व पांडेय जी ने फार्मेसी छात्रों को एकजुट करके संघर्ष की शुरुवात की थी और संघ का गठन किया था। सतत संघर्ष करते हुए फार्मासिस्ट संवर्ग में चीफ फार्मेसिस्ट से लेकर संयुक्त निदेशक तक के पद सृजित कराये। फार्मेसिस्ट फेडरेशन के महामंत्री अशोक कुमार ने स्व पांडेय जी को एक कुशल रणनीतिकार के साथ अच्छा साहित्यकार भी बताया। उपाध्यक्ष सुभाष श्रीवास्तव ने कहा कि पांडेय जी के लिखे गए पत्रो का संकलन करने से संघ को बहुत लाभ हुआ है। वहीं राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष सुरेश रावत, महामंत्री अतुल मिश्र ने स्व पांडेय को संघर्षो का प्रतीक बताया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष जे पी नायक, हरिद्वारी लाल राज, प्रभारी अधिकारी सहित अनेक वक्ताओं ने फार्मेसिस्टों से एकजुट रहकर पांडेय जी के बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। वहीं प्रदेश के अन्य जनपदों में भी स्व पांडेय जी की पुण्यतिथि पर रक्तदान, सेमिनार, फल वितरण सहित अनेक जनोपयोगी कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। यूथ फार्मेसिस्ट फेडरेशन ने भी प्रदेश के विभिन्न जनपदों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। ज्ञातव्य है कि कर्मचारी नेता राम उजागिर पांडेय का 6 जुलाई 2003 को एक सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन हो गया था। तब से हर वर्ष पूरे प्रदेश में उन्हें 6 जुलाई को श्रद्धांजलि अर्पित कर याद किया जाता है।

निर्मल स्कूल मार्ट देगा 125 बच्चों को स्कूल ड्रेस किट

("विदिया वीचारी ता पर उपकारी")..गुरबाणी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गुरू साहिब की कृपा से केन्द्री सिंह सभा लखनऊ गुरुद्वारा आलमबाग की और से शिक्षा के क्षेत्र में सेवा हेतू चलाये जा रहे दशमेश पब्लिक स्कूल ने जुलाई 2023 को सेवा के 16 वर्ष पूरे किये।

स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुये अध्यक्ष निर्मल सिंह ने पूर्व अध्यक्ष स्व० स. जोगेन्द्र सिंह जी ,स्व० स. गुरमुख सिंह आनन्द ,स्व० स. बलविन्दर सिंह सियान, स्व० स. जसपाल सिंह के प्रयासों से बने इस स्कूल में ,स्टेट बैंक , पंजाब नेशनल बैंक व शहर के सभी सहयोगियों का धन्यवाद करते हुये कहा कि इन 16 वर्षों में बिना किसी भी जाति के भेदभाव से समाज के सभी वर्गों को बहुत अच्छी और सस्ती शिक्षा उपलब्ध करवाने का प्रयास जारी है। लगभग 400 बच्चो वाले इस स्कूल में प्रत्येक वर्ष लगभग 200 या उससे अधिक बच्चो को मुफ्त या कम फीस पर पडाया जा रहा है। संगत के सहयोग से चलने वाले इस स्कूल के स्थापना दिवस पर साहिब श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी का शुकराना बच्चो ने कीर्तन,अरदास, हुक्मनामा व अन्य सेवाये स्वंयम करके किया। प्रिंसिपल सर्वजीत कौर ने बच्चो को शिक्षा के लिये गोद लेने वाले सभी महानुभावों का धन्यवाद करते हुये और लोगो से भी इस पुनीत कार्य को करने का आह्वान किया। मीडिया प्रभारी ने बताया कि निर्मल स्कूल मार्ट के डायरेक्टर स. तरनजीत सिंह द्वारा स्कूल के "नर्सरी व के जी" के सभी लगभग 125 बच्चों को प्रतिष्ठान की और से 1 सेट नयी ड्रेस का निःशुल्क वितरिण की जायेगी। इस अवसर पर स. उजागर सिंह ,. सर्वजीत कौर , टीचर्स , स्कूल स्टाफ के साथ ही गुरुद्वारा साहिब के स्टाफ को भी सेवाओ के लिये सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में राजेन्द्र सिंह राजू स. रतपाल सिंह गोल्डी, त्रिलोक सिंह टुटेजा , सुरजीत सिंह राजपाल , मनमोहन सिंह मोहना , परमजीत सिंह बाबी व इन्दरपाल सिंह सोनू ने मुख्य रूप से शिरकत की।

घर में मिलीं पांच लाशें : पत्नी और तीन बच्चों की हत्या कर फंदे से लटक गया शख्स, सुसाइड नोट में बताया ये कारण

संवाददाता

जौनपुर। जौनपुर के जयरामपुर गांव स्थित घर में बुधवार को सुबह एक ही परिवार के पांच लोगों का शव मिला। बताया जा रहा है कि पति ने पहले पत्नी की पीट–पीटकर की हत्या की, फिर तीन बच्चों को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद उसने खुदकुशी कर ली। मौके से पुलिस को सुसाइड नोट मिला। यूपी के जौनपुर जिले से बुधवार को दिल दहला देने वाली एक खबर सामने आई। मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के जयरामपुर गांव में पति ने पहले पत्नी की पीट–पीटकर की हत्या की। फिर सो रहे तीन बच्चों को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। बुधवार सुबह वारदात की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी मच गई। एक ही परिवार में पांच लोगों की मौत से कोहराम मच गया। मौके से कॉपी में लिखा सुसाइड नोट बरामद हुआ है। पांचों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस के मुताबिक, देखने से लग रहा है कि तीनों बच्चों की हत्या गला दबाकर की गई है, जबकि महिला के सिर पर किसी भारी वस्तु से प्रहार किया गया।नेवढ़िया थाना क्षेत्र के सलारपुर गांव निवासी प्रेमशंकर विश्वकर्मा के दो पुत्रों में छोटा नागेश विश्वकर्मा (37) घर से कुछ दूरी पर मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के जयरामपुर गांव में रहता था। पास ही उसके परिवार से जुड़े कुछ और लोग भी रहते हैं। बुधवार सुबह चचेरे भाई सोनू ने नागेश के घर का दरवाजा बंद देखा और बुलाने चले गए। दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई हरकत नहीं हुई। अनहोनी की आशंका पर सोनू ने धक्का मारकर दरवाजा खोला और अंदर चला गया। घर के अंदर चारपाई व बेड पर तीनों मासूमों निकिता (11), आयुषी (3), आदर्श (8) व नागेश की पत्नी राधिका विश्वकर्मा (35) का शव पड़ा था। सबके शव के पास ही फंदे से नागेश लटक रहा था। यह देख सोनू बदहवास हो गया और शोर मचाते हुए बाहर निकला। यह देख आसपास के लोग जुट गए और डायल 112 पर फोन करके पुलिस को सूचना दी। डॉग स्क्वॉड व फॉरेसिंक टीम के पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। फॉरेसिंक टीम ने साक्ष्य जुटाए, फिर नागेश का शव फंदे से उतारा गया। इसके बाद पांचों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। घटना की सूचना पाकर एसपी डॉ. अजय पाल शर्मा भी मौके पर पहुंचे और छानबीन की। घर से सुसाइड नोट बरामद हुआ ।अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मृत नागेश ने ही अपने तीन बच्चों व पत्नी की हत्या करके खुद फंदा लगाकर जान दे दी। मौके से एक कॉपी में लिखा हुआ सुसाइड नोट बरामद हुआ है। इसमें नागेश ने सभी की मौत की जिम्मेदारी खुद ली है। सुसाइड नोट से पता चला कि नागेश ने सलारपुर गांव निवासी भानु प्रताप विश्वकर्मा के माध्यम से सरजू प्रसाद कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय में चपरासी की नौकरी के लिए सात लाख रुपये संचालक शिव आश्रय सिंह निवासी कोरार जलालपुर को दिया था। काफी समय बीतने के बाद न तो नौकरी मिली और न ही पैसे वापस मिल रहे थे। इससे नागेश तनाव में आ गया और उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। मृतक नागेश के भाई त्रिभुवन विश्वकर्मा की तहरीर के आधार पर स्कूल संचालक शिव आश्रय सिंह और भानु प्रताप विश्वकर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों को हिरासत में लिया गया है। सड़क के किनारे ही नागेश का घर है। उसके बच्चों की चंचलता के सभी कायल हैं। मंगलवार रात में जो घटना हुई, उससे हर कोई दहल गया। बुधवार तो जब दरवाजे से तीनों मासूमों, नागेश और उसकी पत्नी का शव उठा तो हर किसी की आखें नम हो गईं। बड़े भाई त्रिभुवन विश्वकर्मा तो यही कहकर फफक पड़े कि भाई अपने परिवार की परवरिश के लिए घर से थोड़ी ही दूरी पर सड़क किनारे घर बनवाकर रहता था। आखिर किसकी नजर लगी कि वह और उसका पूरा परिवार हमसे जिंदगी भर के लिए दूर चला गया। घटनास्थल पर करीब 500 से अधिक लोगों की भीड़ जुटी। जब पुलिस शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने की कार्यवाही शुरू की तो महिलाओं की करुण क्रंदन से पूरा माहौल गमगीन हो गया। जिस समय घटना की जानकारी मिली, उस समय किसी के घर में सब्जी बनी थी तो किसी के घर दाल पकी थी। जो जैसे सुना वैसे ही सबकुछ छोड़कर नागेश के घर की तरफ दौड़ पड़ा। कई घरों में चूल्हे नहीं जले। घटनास्थल पर जुटे लोगों में हर कोई यह जानना चाह रहा था कि आखिर ऐसा क्या हुआ जो नागेश ने इस तरह का कदम उठाया। लोगों का कहना था कि सबसे हंसकर बात करने वाला नागेश आखिर अपने ही बच्चों का गला कैसे घोटा होगा। वह अपने परिवार पर जान छिड़कता था। दोनों बच्चियों और इकलौते बेटे को जान से भी ज्यादा चाहता था। नागेश बुधवार की सुबह पूरे परिवार को लेकर किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जाने वाला था। घटनास्थल पर पहुंची भीड़ के बीच आसपास के लोगों ने बताया कि एक दिन पहले ही बच्चे वहां जाने की चर्चा कर रहे थे। उसके बाद मंगलवार रात लगभग नौ बजे तक कमरे के बाहर बरामदे में नागेश, उसकी पत्नी और बच्चे साथ बैठे थे। पूरा परिवार ठीक से था। अचानक ऐसा क्या हुआ कि रात में इतनी बड़ी घटना को अंजाम दे दिया। यह किसी को समझ में नहीं आ रहा।

भाई की डांट से क्षुब्ध नाबालिग बहन ने दी जान

फतेहपुर। परिजन शव का अंतिम संस्कार करने जा रहे थे। किसी ने 112 नंबर पर पुलिस को संदिग्ध हालात में मौत की सूचना दी। पुलिस ने अंतिम यात्रा रोकी और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।थाना क्षेत्र के मानपुर निवासी अंकराज लोधी की पुत्री सत्यभामा (15) को घरेलू कामकाज को लेकर भाई सत्यवीर ने डांट दिया। किसी काम से किशोरी खेत चली गई। वह काफी देर तक घर नहीं लौटी। परिजनों ने खोजबीन की। खेत से गांव लौट रहे ग्रामीणों ने किशोरी को नींबू के पेड़ पर दुपट्टे के फंदे से लटकता देखा। ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से फंदा काटकर शव को नीचे उतारा।पिता ने बताया कि बेटे की डांट से नाराज होकर बेटी ने जान दी है।

खत्म हुआ पूरा परिवार : चारपाई पर तीन बच्चों के शव, जमीन पर मां..और फंदे पर लटका था नागेश, देख सन्न हुए लोग

संवाददाता

जौनपुर। जौनपुर से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। एक टेंट व्यवसायी ने अपने तीन बच्चों व पत्नी को मारकर खुद फंदा लगाकर जान दे दी। इस घटना में पांचों की मौत से गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जौनपुर में मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के जयरामपुर गांव में बुधवार की सुबह एक टेंट व्यवसायी ने अपने तीन बच्चों व पत्नी को मारकर खुद फंदा लगाकर जान दे दी। इस घटना में पांचों की मौत से गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जयरामपुर गांव निवासी नागेश कठियांव मार्ग पर टेंट का व्यवसाय करता था। बुधवार की सुबह देर तक जब नागेश के परिवार का कोई नहीं जगा तो लोगों ने उसके भाई को फोन करके बताया। भाई ने जब दरवाजा खोलकर अंदर देखा तो नजारा देखकर अवाक रह गए। घर के एक कमरे में चारपाई पर दो बेटियों निकिता और आयुषी, पुत्र आदर्श के शव पड़े थे। थोड़ी दूर पर पत्नी राधिका का भी शव पड़ा था। नागेश फंदे से लटक रहा था। परिवार के सदस्यों ने इस तरह का कदम क्यों उठाया गया यह अभी पता नहीं चल सका है।

सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज का छठां स्थापना दिवस आज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज ने छह

सालों का अपना सफर पूरा कर लिया। इस यात्रा में संस्थान ने नई तकनीकी के क्षेत्र में कई उचाईयों को छूआ। इस मौके पर संस्थान अपना छठां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार को मना रहा है। सुबह साढ़े 11 बजे से संस्थान स्थित एसएसबी हॉल में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना और विश्वविद्यालय के कुलगीत से होगी। स्वागत भाषण डॉ0 अनुज कुमार शर्मा देंगे। इस मौके पर एक वीडियो फिल्म का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद कैश के निदेशक प्रो0 वीरेंद्र पाठक संस्थान के विकास का संक्षेप में परिचय देंगे। इसी क्रम में कैश की वार्षिक पत्रिका का लोकार्पण भी किया जाएगा। इसके बाद प्रतिकुलपति प्रो0 मनीष गौड़ संबोधित करेंगे। अंत में बतौर मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पाण्डेय कार्यक्रम में अपना संबोधन देंगे।

150 छात्रों ने पूरा किया गूगल सर्टिफिकेट कोर्स

गूगल के सीएसआर कार्यक्रम के तहत टाटा स्टाइव की ओर से आयोजित गूगल सर्टिफिकेट कोर्स को डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थानों के इंजीनियरिंग के 150 छात्रों ने पूरा किया। जल्द ही इन छात्रों को प्रमाण पत्र मिलेगा। विभिन्न टॉपिक्स पर छह हफ्ते का यह निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स करने से छात्रों को करियर के लिहाज से काफी फायदा होता है। इस मौके पर कंपनी की प्रतिनिधि रश्मि सिंह ने सहयोग के लिए कुलपति प्रो0 जेपी पाण्डेय को सम्मानित करने के साथ ही आभार जताया। साथ ही विभिन्न संस्थानों में छात्रों से मिलकर उन्हें इस कोर्स के बारे में जानकारी दी। डीन टेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग प्रो0 अरूणिमा वर्मा ने कहा कि आगे भी इस तरह के कोर्स को कराया जाएगा। वहीं, प्रतिभा शुक्ला ने इस कोर्स की रूपरेखा तय की।

एस के डी अकादमी में आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की लैब का उदघाटन हुआ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एक मशीन का बिना किसी मानव हस्तक्षेप के स्वतंत्र रूप से सीखने, सोचने और कार्यों को

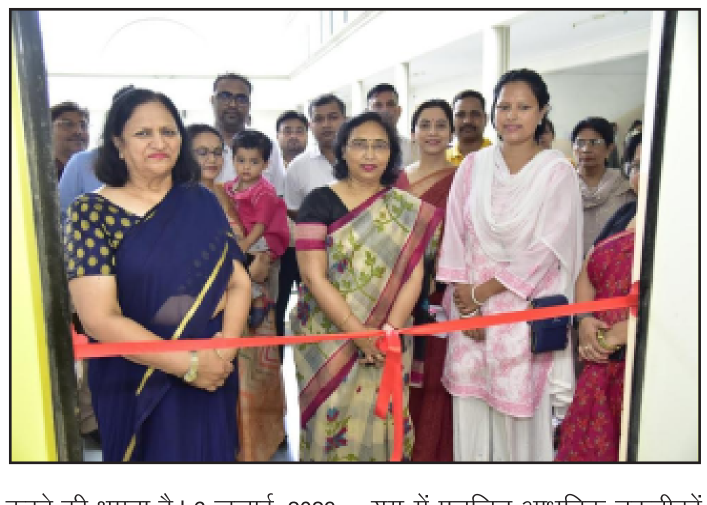

करने की क्षमता है। 6 जुलाई, 2023 को एसकेडी अकादमी वृंदावन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यावहारिक अनुप्रयोग पर आधारित फ्यूचर इनोवेशन लैब का उद्घाटन किया गया है प्रयोगशाला का उद्घाटन स्कूल परिसर में अभिभावकों की गौरवपूर्ण उपस्थिति में किया गया, जिन्होंने छात्रों के भविष्य के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की।यह प्रयोगशाला छात्रों को इस युग में प्रचलित आधुनिक तकनीकों के बुनियादी सिद्धांतों से परिचित कराएगी और छात्र अपनी रचनात्मक सोच का उपयोग करके रोबोट एवं ड्रोन बना सकते हैं। ए.आई. अब हमारे दैनिक जीवन का एक हिस्सा है। जैसे–जैसे दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई तकनीकों के साथ आगे बढ़ रही है, हमें छात्रों को स्कूल स्तर से ही ए.आई. सिखाने की जरूरत है। ए.आई. सिखाना छात्रों के लिए अपने आस–पास की नवीनतम तकनीकों के बारे में जानने और भविष्य के लिए तैयार करने में सहायक होगा। ए.आई. प्रयोगशालाएं छात्रों को अपने प्रोग्रामिंग कौशल, समस्या–समाधान कौशल, तार्किक सोच, आलोचनात्मक सोच, आत्मविश्वास में सुधार करने और उन्हें अपनी रचनात्मक परियोजनाओं को विकसित करने के लिए मदद करेंगी। उपस्थित अभिभावकों ने संस्था के निदेशक श्री मनीष सिंह जी को इस नए उपकरण व नयी तकनिकों से विद्यार्थियों को अवगत कराने के प्रयास के लिए बधाई दी स श्री मनीष सिंह जी ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा यही प्रयास रहता है कि बच्चों का सम्पूर्ण विकास हो चाहे वो पढ़ाई, खेलकूद अथवा डिजिटल व टेक्नोलॉजी से सम्बंधित हो।

बाबा नीब करौरी के जीवन पर टीवी सीरियल की शूटिंग शुरू

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भक्तों के भगवान हनुमत् स्वरूप बाबा नीब करौरी महाराज के जीवन पर आधारित टीवी सीरियल श महाराज जी नीब करोरी बाबा – एक अद्भुत संत श की उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के कई स्थानों

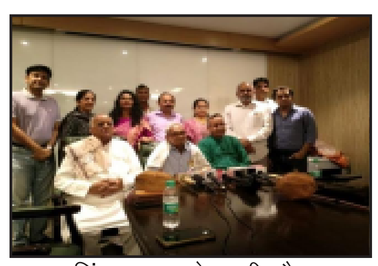

पर शूटिंग शुरू हो गयी है।108 एपिसोड वाले आधे घंटे के इस साप्ताहिक सीरियल को सितंबर माह से हर शनिवार प्राइम टाइम रात नौ बजे से इंटरनेट के जरिये ओटीपी प्लेटफार्म पर मोबाइल, लैपटॉप, कम्प्यूटर व टेलीविजन पर देखा जा सकेगा। महाराज जी बाबा मीडिया श एमबीएम श प्रॉडेक्शन्स के यूट्यूब चौनल पर गुरु पूर्णिमा पर्व पर इस धारावाहिक के पहले भजन श हनुमान स्तुति श का शुभारम्भ किया गया।बाबा नीब करोरी महाराज के जीवन पर बन रहे टीवी सीरियल के निर्माता इंजी. विजय शर्मा ने बताया कि बीते 15 जून कैंची धाम स्थापना दिवस पर नैनीताल जिले के नौकुचियाताल स्थित भक्तिधाम में हनुमान जी की विशालकाय मूर्ति के सामने कलाकार मनीष उपाध्याय द्वारा हनुमान स्तुति से शूटिंग का श्रीआरम्भ किया गया। 25 जून तक नैनीताल (उत्तराखंड) व चित्तोड़ी, हापुड़ (उत्तर प्रदेश) आदि स्थानों पर चली शूटिंग में दर्जनों कलाकारों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि एक जुलाई को दिल्ली में पत्रकार वार्ता करके गुरुदेव महाराज के जीवन पर बनने वाले टीवी सीरियल की जानकारी मीडिया को दे दी गयी थी। इस कार्यक्रम में बाबा जी के करीबी रहे विनय चालीसा के रचयिता पं. प्रभु दयाल शर्मा (आगरा), हरी शर्मा (अलीगढ़) व संजीव शर्मा (नोयडा) को शाल ओढ़ा कर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।निर्माता श्री शर्मा ने बताया कि श महाराज जी नीब करोरी बाबा – एक अद्भुत संत श सीरियल की टीम में सह निर्माता श्रीमती प्रेम सिंघल, कार्यकारी निर्माता फसीह चौधरी, फराज चौधरी, निर्देशक संजय सक्सेना, गायक संदीप कपूर, गीतकार जावेद अख्तर मुरादाबादी, संगीतकार चंद्र कमल व वेदप्रकाश, कलाकार मनीष उपाध्याय, फसीह चौधरी, संजय सक्सेना, कमल मलिक, दिनेश त्यागी, रवि मिश्र, प्रियंका, अमीर मंसूरी, ऋषि अरोरा व सरिता लाल, नृत्य निर्देशक रितुराज मानस, कला निर्देशक गुलशन, मेकअप मोनिका, सीमा, छायाँकन (कैमरा) अपूर्व यादव, रिकार्डिंग स्टूडियो ए वाई स्टूडियो (दिल्ली) शामिल हैं।

गांव के ही युवक ने 9 साल की बच्ची के साथ किया दुष्कर्म, घर के बाहर से बहलाकर ले गया था आरोपी

जौनपुर ।यूपी के जौनपुर जिले के एक गांव से 9 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की शर्मनाक घटना सामने आई है। पीड़िता की हालत गंभीर है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी गांव निवासी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यूपी के जौनपुर जिले के एक गांव से 9 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की शर्मनाक घटना सामने आई है। आरोपी गांव निवासी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की हालत गंभीर है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार रात करीब 11 बजे पता चला कि एक गांव का युवक उसी गांव की एक बालिका को बहला–फुसलाकर पोखरे की तरफ ले गया। वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। बालिका की हालत गंभीर हो तो उसे वहीं छोड़कर फरार हो गया। इधर, बच्ची की तलाश में परिजन पोखरे की तरफ गए। वहां बच्ची से खून से लथपथ अचेत अवस्था में पड़ी मिली। आननफानन परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। रामपुर सीएचसी से उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में आरोपी युवक पंकज गौतम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बुधवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सरपतहां थाना क्षेत्र के एक गांव में प्रेमिका से मिलने पहुंचे प्रेमी की जमकर पिटाई करने के बाद परिजनों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। प्रेम प्रसंग के इस मामले में लोगों का यह भी कहना है कि युवती जान–बूझकर प्रेमी को फंसाने की नियत से ही अपने घर बुलाई थी। फिलहाल मामले को लेकर क्षेत्र में तरह–तरह की चर्चा है। सरपतहां थाना क्षेत्र के सुकर्णाकलां गांव निवासी अरविंद उपाध्याय की पत्नी संतोषी (30) घर में घरेलू कार्य के दौरान सर्पदंश की शिकार हो गई। परिजनों ने पहले झाड़–फूंक कराया। फिर उपचार के लिए शाहगंज स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। इस बाबत थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या सर्पदंश से विवाहिता की मौत का मामला है। बाकी मामले की जांच की जाएगी।

चेन्नई कमाने गए युवक की फंदे पर लटक कर मौत

मिर्जापुर। क्षेत्र के सोनगढ़ा गांव से चेन्नई कमाने गए युवक की सोमवार को देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे पर लटक कर मौत हो गई।क्षेत्र के सोनगढ़ा गांव निवासी 19 वर्षीय विवेक कोल एक माह पहले श्रमिकों के साथ कार्य करने के लिए चेन्नई गए थे। संदिग्ध परिस्थितियों में सोमवार को देर रात फंदे पर लटक कर उनकी मौत हो गई। साथियों की सूचना पर घटना की जानकारी विवेक के परिजनों को हुई।

स्वच्छता रैली में गोमती नगर जनकल्याण महासमिति की सहभागिता रही

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगर निगम लखनऊ द्वारा स्वच्छता रैली का आयोजन 1090 चौराहे पर किया गया. जिसमे मुख्य अतिथि सुरेश कुमार खन्ना, विशिष्ट अतिथि ए के शर्मा, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर सुषमा खर्कवाल,बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला ने सहभागिता की.रैली में गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति के अध्यक्ष डॉक्टर बी एन सिंह , महासचिव डॉ राघवेंद्र शुक्ल,कार्यवाहक महासचिव कर्नल ए एन पाण्डेय ,सचिव सीजी नायर, आलोक मिश्रा, डॉ पशुपति पांडेय,केके मौर्या,आरडी मौर्या,अशोक गुप्ता, प्रभात चतुर्वेदी ,मुन्ना सिंह,निर्मला सिंह,वीके जोहरी, नफीस अहमद, जीएस यादव, यू बी सिंह,सुमित सिंह,मोनिका कुमारी और सभी सम्मनित प्रमुख सदस्य गोमती नगर जनकल्याण महासमिति के इस रैली मे शामिल हुए।

हिन्दी सांध्य दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी प्रभुदयाल श्रीवास्तव की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/**R-1**

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।